श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 270

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

भिलाई, रविवार 17 जुलाई 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

कल से हर घर हरियाली महा-अभियान: पौधा लगाने एकजुट हुआ शहर

- उत्साहित बच्चों और युवाओं ने स्कूल-कॉलेज में लगाए पौधे
- नगर निगम दे रहा है निःशुल्क पौधे, पसंद के पौधे घर ले जा रहे हैं लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में रायपुर जिले में संचालित 'हर घर हरियाली' महा-अभियान में सभी आयुवर्ग के नागरिक उत्साह के साथ शामिल हो रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत पूरे जिले के निवासियों से अपने घर में पौधे लगाने एवं उसके संरक्षण भी करने की अपील नागरिकों से की गई है। इस महा-अभियान की शुरूआत 18 जुलाई से हो रही है, जिसमें समस्त संगठन, संस्थाएं, शासकीय, अर्ध्दशासकीय निजी संस्थान अपनी सक्रिय सहभागिता दे रहे हैं। जिले के सभी पंचायत एवं नगरीय निकाय द्वारा रोपण हेतु पौधे निःशुल्क प्रदान किए जा रहे हैं। रायपुर नगर निगम क्षेत्र में भी सावन के प्रथम सोमवार से शुरू हो रहे इस कार्यक्रम में शामिल होने स्कूली बच्चे, युवा व आम नागरिक स्व-स्फूर्त जुड़ रहे हैं और अपनी पसंद के निःशुल्क पौधे नज़दीकी जोन कार्यालय एवं शिविरों से प्राप्त कर रोपण हेतु ले जा रहे है। आज नालंदा परिसर, स्वामी आत्मानंद विद्यालय सहित कई संस्थाओं में वृक्षारोपण कर सभी को इस अभियान में शामिल होने का संदेश दिया गया।

रायपुर को हरीतिमायुक्त बनाने सांसद सुनील सोनी, नगर निगम रायपुर के महापौर एजाज़ ढेबर, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छ.ग. गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, विधायक सत्यनारायण शर्मा, बृजमोहन अग्रवाल, धनेन्द्र साहू, श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा, नगर निगम बिरगांव के महापौर नंदलाल देवांगन, योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, राज्य सहकारी बैंक समिति के अध्यक्ष पंकज शर्मा, नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे, नेता प्रतिपक्ष श्रीमती मीनल चौबे, उद्यानिकी विभाग के प्रमुख सुरेश चन्नावार सहित सभी जन प्रतिनिधियों ने नागरिकों से पौधे लगाने एवं उसके पालन-पोषण की जिम्मेदारी की अपील की है।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के निर्देश पर जिले में संचालित इस महा-अभियान में पंचायतों के अलावा रायपुर नगर निगम द्वारा भी बृहद एवं विस्तृत तैयारी की गई है। महापौर एजाज़ ढेबर के मार्गदर्शन में नगर निगम क्षेत्र के सभी 70 वार्ड में वृक्षारोपण हेतु जोन कार्यालय के माध्यम से नागरिकों को उनके घर तक पौधे पहुंचाकर दिए जाने की व्यवस्था की गई है, इस कार्य में जोन अमले, सफाई मित्रों एवं ग्रीन आर्मी सहित सक्रिय एन.जी.ओ. की सहायता ली जा रही है। रायपुर नगर निगम क्षेत्र में 28 प्रजातियों के लगभग 2 लाख पौधे उपलब्ध हैं, जो जोन कार्यालयों के माध्यम से नागरिकों को निःशुल्क दिए जा रहे है।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल, नगर निगम आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमि. के प्रबंध संचालक मयंक चतुर्वेदी ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों सहित आम नागरिकों से इस अभियान में सम्मिलित होने अपने घर या नज़दीकी रिक्त भू-खंड पर पौधा रोपण एवं इसके संवर्धन की अपील की है। इनके अलावा पद्मश्री मदन चौहान, भारती बंधु, फिल्म निर्माता मनोज वर्मा, ग्रीन आर्मी के संस्थापक अमिताभ दुबे, समाज सेवी सुरेन्द्र बैरागी, श्रीमती शुभांगी आप्टे सहित धर्म प्रमुखों व कई बड़ी हस्तियों ने आम नागरिकों से वृक्षारोपण का आग्रह किया है।

खास खबर

राष्ट्रपति चुनाव के लिए ऑब्जर्वर पहुंचे रायपुर, विधानसभा भवन में मतदान की तैयारियों का जायजा लिया

रायपुर। राष्ट्रपति निर्वाचन-2022 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए नियुक्त ऑब्जर्वर राकेश रंजन ने रायपुर पहुंचते ही छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुंचकर मतदान की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने इसके लिए वहां की जा रही सभी व्यवस्थाओं को देखा और आवश्यक निर्देश दिए। छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पी. दयानंद, अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, विधानसभा के सचिव एवं सहायक रिटर्निंग ऑफ़िसर दिनेश शर्मा और दिनेश त्रिवेदी तथा सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रुपेश वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस दौरान मौजूद थे।

स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे से मची भूपेश सरकार में खलबली

धैर्य की ली जा रही परीक्षा-सिंहदेव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ से शनिवार को एक बड़ी खबर आई। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव ने पंचायती विभाग छोड़ दिया है। सूत्रों के मुताबिक, टीएस सिंह ने एपीओ की कार्रवाई से नाराज होकर यह कदम उठाया है। हालांकि, वे स्वास्थ्य मंत्री के पद पर बने रहेंगे। उन्होंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भेज दिया है। सिंहदेव स्वास्थ्य और वाणिज्यिक कर विभाग में मंत्री की जिम्मेदारी पर बने रहेंगे। सिंहदेव के इस फैसले से सरकार के अंदर चल रही कलह एक बार फिर उजागर हो गई है।

पंचायत एवं स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने शनिवार को पंचायत मंत्री के पद से इस्तीफा देने के साथ यह कहते हुए खलबली मचा दी है कि उनके धैर्य की परीक्षा ली जा रही है। पारिवारिक पृष्टभूमि कांग्रेस की है और फ्लिहाल वे कांग्रेस में ही रहेंगे, लेकिन जीवन में कई निर्णय लेने पड़ते हैं। इस्तीफे के एक दिन पूर्व शुक्रवार को उन्होंने संभाग के कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। टीएस सिंहदेव के इस निर्णय ने भूपेश बघेल कैबिनेट में भूचाल ला दिया है। सिंहदेव अगर सख्त रूख अपनाते हैं तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को बड़ा नुकसान होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

बताया जा रहा है कि सिंहदेव और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था। काफी लंबे समय से दोनों के बीच तनातनी के कयास लगाए जा रहे थे। ऐसे में चार पन्ने के इस्तीफे के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि उन्हें सरकार में दरकिनार किया जा रहा है, हालांकि वह अन्य चार मंत्रालयों का पदभार संभालते रहेंगे।

सिंहदेव ने अपने इस्तीफा में पेसा कानून को लेकर बनाए गए नियमों में बदलाव पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इसमें भारसाधक मंत्री को विश्वास में नहीं लिया गया है। जन घोषणा-पत्र में किए गए वादों में पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों को पूर्ण रूप से लागू करना शामिल था। इसके लिए मैंने आपसे कई बार चर्चा की, विभागीय पहल भी की, लेकिन इस पर अभी तक कोई सहमति या सकारात्मक पहल नहीं हो पाई है।

सचिवों को गठित समिति प्रोटोकॉल के तहत अनुचित

सिंहदेव ने कहा कि किसी भी विभाग में योजनाओं के तहत काम की स्वीकृति का अनुमोदन उस विभाग के भारसाधक मंत्री का अधिकार होता है, लेकिन मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत कार्यों की अंतिम स्वीकृति के लिए रूल्स ऑफ बिजनेस के विपरीत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सचिवों की एक समिति गठित की गई। कार्यों की स्वीकृति के लिए मंत्री के अनुमोदन उपरांत अंतिम निर्णय मुख्य सचिव की समिति द्वारा लिए जाने की प्रक्रिया बनाई गई जो प्रोटोकॉल के विपरीत और सर्वथा अनुचित है।

चार पन्नों के पत्र में व्यक्त की व्यथा

सिंहदेव ने मुख्यमंत्री को सौंपे चार पन्नों के इस्तीफे में विभाग और सरकार के कामकाज पर असंतोष जाहिर किया है। सिंहदेव ने कहा कि मैं पिछले तीन साल से अधिक समय से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के भारसाधक मंत्री के रूप में काम कर रहा हूं। इस दौरान कुछ ऐसी परिस्थितियां बनीं, जिनसे मैं आपको अवगत कराना चाहता हूं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश के आवास विहीन लोगों को मकान बनाकर दिया जाना था, जिसके लिए मैंने कई बार आपसे चर्चा कर राशि आवंटित करने का अनुरोध किया, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस कारण राज्य के करीब आठ लाख लोगों के लिए मकान नहीं बन सके। मुझे दुःख है कि इस योजना का लाभ प्रदेश के आवास विहीन लोगों को नहीं मिल सका।

तेज बारिश के चलते चारामा घाट में भूस्खलन पहाड़ टूटने से सड़क मार्ग बाधित, हुआ बहाल

कांकेर। रायपुर-जगदलपुर मुख्य मार्ग एनएच 30 पर चारामा घाट में लगातार तेज बारिश के चलते भू-स्खलन हुआ है। पहाड़ की चट्टान सडक् पर गिरने से मार्ग अवरुद्ध हो गया था। चारामा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पुराने मार्ग को बहाल करवाकर एनएच 30 पर आवागमन शुरु करवाया है, वहीं मुख्य मार्ग पर बड़े-बड़े पत्थर अभी भी पड़े हुए हैं। बीती रात से जिले में मूसलधार बारिश हो रही है, जिससे चारामा घाट में देर रात भू-स्खलन हुआ है। मार्ग से गुजरने वाले वाहन इसके चपेट में नहीं आये, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

कोरोना वैक्सीनेशन में भारत का नया कीर्तिमान, 18 महीने में लगीं 200 करोड़ खुराक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में रविवार को कोरोना टीकाकरण का नया कीर्तिमान स्थापित हो गया। रविवार को कुल टीकाकरण की संख्या दो अरब पहुंच गई। इसके साथ ही भारत अपने देश की आबादी को दो अरब से ज्यादा डोज देने वाला दूसरा देश बन गया है।

अब तक भारत से ज्यादा कोरोना वैक्सीन के डोज सिर्फचीन में ही लगाए गए हैं। जहां अब तक तीन अरब से ज्यादा डोज दिए जा चुके हैं। चीन में अब 3.4 अरब से ज्यादा डोज दिए जा चुके हैं। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने ट्वीट कर कहा, 17 जुलाई, 2022..यह दिन हमेशा याद रहेगा। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत ने अब तक 2 अरब कोरोना खुराक लोगों के लगाई हैं। मैं इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य कर्मियों और नागरिकों को बधाई देता हूं।

आज से ठीक 18 महीने पहले, 16 जनवरी 2021 को देश में कोरोना के खिलाफ जंग में

सबसे बड़े हथियार का इस्तेमाल शुरू हुआ। देश में टीकाकरण की शुरुआत हुई। सबसे पहले फ्रंट लाइन वर्कर्स और गंभीर बीमारी से पीड़ित बुजुर्गों का टीकाकरण शुरू हुआ। पहले ही हफ्ते में 12,43,013 वैक्सीन डोज दी गई। इसके बाद हफ्ते दर हफ्ते कोरोना टीकाकरण की रफ्तार बढ़ती रही।

13 से 19 मार्च 2021 का हफ्ता पहला ऐसा हफ्ता था जिसमें एक करोड़ से ज्यादा लोगों का टीकाकरण हुआ। हालांकि, मई 2021 में जब कोरोना की दूसरी लहर आई उस वक्त टीकाकरण की रफ्तार घट गई थी। हर हफ्ते होने वाला टीकाकरण जो बढ़कर दो करोड़ तक पहुंच गया था। वो घटकर एक करोड़ से भी कम हो गया।

कब टीकाकरण की रफ्तार सबसे ज्यादा रही?

दूसरी लहर के बीच टीकाकरण की रफ्तार फिर बढ़ी। इस वक्त तक आम वयस्कों का भी टीकाकरण शुरू हो चुका था। 19 से 25 जून के दौरान देश में रिकॉर्ड चार करोड़ से ज्यादा लोगों का टीकाकरण हुआ। ये रिकॉर्ड अगस्त में टूटा। 28 अगस्त से तीन सितंबर के दौरान पहली बार पांच करोड़ से ज्यादा लोगों का टीकाकरण हुआ। तो 11 से 17 सितंबर के दौरान ये आकंड़ा छह करोड़ से ज्यादा पहुंच गया। इसके बाद टीकाकरण की रफ्तार फिर से घटने लगी। अक्टूबर के अंतिम हफ्ते में घटकर ये 2.43 करोड़ पहुंच गई।

राजनीतिक गलियारों के ये मासूम बजरबट्टू

दीपक रंजन दास

देश में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर गहमागहमी का दौर चल रहा है। केन्द्र के सत्ताधारी गठजोड़ ने एक आदिवासी महिला को प्रत्याशी बनाया है। इससे पहले उसने एक पिछड़े को प्रधानमंत्री बनाया था। पिछड़ा प्रधानमंत्री बनने से पिछड़ों का कितना भला हुआ, इसका आकलन इस सवाल का भी जवाब हो सकता है कि आदिवासी राष्ट्रपति बनाने से आदिवासियों का कितना भला होगा। नक्सल आपरेशन्स में पिस रहे आदिवासियों का मामला उठाने पर सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक समाज सेवी संस्था के मुखिया पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अदालत ने कहा कि उसने झूठा मामला उठाकर अदालत का समय बर्दाद किया। इस फैसले तक पहुंचने में अदालत को 12 साल लग गए। छत्तीसगढ़ की ही बात करें तो कोयला खदानों पर रहने वाले जंगल और वनवासियों को नेस्तनाबूद करने की पूरी तैयारी है। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने मना करने के बावजूद परसा-केते बासन कोयला खदान के दूसरे चरण की अनुमति अडानी को दे दी है। लोग बड़ी आसानी से यह भूल जाते है कि परसा-केते बासन कोल ब्लाक केन्द्र सरकार ने 2015 में राजस्थान को आवंटित किया है। इसका संचालन अडानी इंटरप्राइजेस करता है। अडानी को दिक्कतें आईं तो केन्द्र ने खदान संबंधी अपने नियमों में ही संशोधन कर लिया और राज्यों के सभी अधिकार छीन लिये। दरअसल दलित, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, आदिवासी आदि केवल शब्द हैं। इनका उपयोग पिछले लगभग 50 सालों से देश में बजरबट्टू की तरह किया जा रहा है। बजरबट्टू को कहीं-कहीं नजरबट्टू भी कहा जाता है। कुछ राज्यों में इन्हें बजूका भी कहते है। इन्हें ऐसी जगहों पर लटकाया जाता है कि वह हर किसी को दिखाई दे। यह और बात है कि धूप में, बारिश में भी वह वहीं लटका रह जाता है। कहते हैं कि यह जिस घर के सामने लटका होता है, उस घर को नजर नहीं लगती। जानकार तो यहां तक बताते हैं कि इससे अपमृत्यु और दुर्घटना जैसी बलाएं भी टल जाती हैं। मौसम की मार से जब बजूका खराब हो जाए तो उसे बदल दिया जाता है। कहीं-कहीं हर साल एक खास मौके पर इसे बदलने का चलन है। आज अधिकांश घरों के आगे कथित काले घोड़े की नाल और काले रंग का पुतला औंधा लटका हुआ मिल जाएगा। पर इसका मतलब यह कतई नहीं है कि घर में रहने वाले सारे के सारे सदचरित्र और दयावान हो जाएंगे। बाहर बजूका लटका रहेगा और भीतर वो सारी कारस्तानियां चलती रहेंगी जो उनकी मूल फितरत है। वैसे एक बात यह अच्छी हो रही है कि लोग सनातन की ओर लौटने का सपना देख रहे हैं। काश! उनका यह सपना सच हो जाए। निषाद राज को भी उतना ही सम्मान मिले जितना किसी राजा-महाराजा को मिलता है। वरना वो तो बेचारे अपने प्रत्याशी की एक झलक पाने की कोशिश में चौखट से ही दुत्कारे जाते रहेंगे।

संपादकीय

बैंड-एड है, इलाज नहीं

चूंकि इस समय रुपया और विदेशी मुद्रा भंडार दोनों गहरे दबाव में हैं, इसलिए उसे तुरंत संभालने के लिहाज से इन कदमों को उचित माना जाएगा। लेकिन यह टिकाऊ इलाज नहीं है।

जब गहरी चोट लग गई हो, तो बैंड-एड लगाना जरूरी हो जाता है। इसके बावजूद सच यही होता है कि बैंड-एड महज फौरी राहत पाने का उपाय है। जख्म को ठीक करने के लिए जरूरी दवाएं देनी होती हैं। तो यही बात रुपये की गिरती कीमत और विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव के बीच भारत सरकार की तरफ से उठाए गए कदम के बारे में कही जा सकती है। चूंकि इस समय रुपया और विदेशी मुद्रा भंडार दोनों गहरे दबाव में हैं, इसलिए उसे तुरंत संभालने के लिहाज से इन कदमों को उचित माना जाएगा। इसके तहत सरकार ने प्राइवेट कंपनियों को इस वित्त वर्ष में डॉलर में कर्ज ले सकने की सीमा को बढ़ा कर 1.5 बिलियन डॉलर कर दिया है। इसके अलावा भारत के बैंकों को यह अधिकार दिया है कि अनिवासी भारतीयों के निवेश को आकर्षित करने के लिए वे ब्याज दर के मामले में लचीला नजरिया अपना सकते हैं। हालांकि आज जो वैश्विक बाजार में ट्रेंड है, उसे देखते हुए भरोसे के साथ यह कहना संभव नहीं है कि इन कदमों से सचमुच कितना डॉलर भारत आएगा। इसके बावजूद सरकार ने अपनी तरफ से प्रयास किया है, यह जरूर कहा जा सकता है।

> इसके अलावा अगर विदेशों में काम करने वाले भारतीयों को लगातार वापस रकम भेजने के लिए प्रेरित किया जा सके, तो भारत कठिन परिस्थितियों का मुकाबला करने में अधिक सक्षम हो सकेगा। फिलहाल, जो कदम उठाए गए हैं, वे दीर्घकालिक नहीं हो सकते। फिर उनमें अचानक डॉलर के पलायन का जोखिम भी बना रहेगा। पलायन की स्थिति में जिस मकसद से ये कदम उठाया गया है, वह परास्त हो जाएगा। इसीलिए यह जरूरी है कि समस्या का स्थायी इलाज किया जाए।

बहरहाल, बावजूद इसके यह तथ्य अपनी जगह कायम है कि यह भारतीय मुद्रा को संभालने या विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति को सेहतमंद स्तर पर रखने का टिकाऊ उपाय नहीं है। स्वस्थ स्थिति यही होगी कि भारत आयात और निर्यात के बीच संतुलन बनाए। इसके लिए जरूरी हो, तो गैर जरूरी चीजों का आयात घटाने की नीति अपनाई जा सकती है। निर्यात बढ़ाना आसान लक्ष्य नहीं है, लेकिन इसके लिए भरसक कोशिश जारी रखी जानी चाहिए। इसके अलावा अगर विदेशों में काम करने वाले भारतीयों को लगातार वापस रकम भेजने के लिए प्रेरित किया जा सके, तो भारत कठिन परिस्थितियों का मुकाबला करने में अधिक सक्षम हो सकेगा। फिलहाल, जो कदम उठाए गए हैं, वे दीर्घकालिक नहीं हो सकते। फिर उनमें अचानक डॉलर के पलायन का जोखिम भी बना रहेगा। पलायन की स्थिति में जिस मकसद से ये कदम उठाया गया है, वह परास्त हो जाएगा। इसीलिए यह जरूरी है कि समस्या का स्थायी इलाज किया जाए।

> **तीन दिशाओं के तीन पड़ोसी जब बदहाल हों, तो वहां अराजकता भड़कने के अंदेशे पैदा हो जाते हैं। एक और पड़ोसी चीन पहले से ही हमारी सीमाओं पर हत्यारी हलचल मचा रहा है। शुक्र बस इतना है कि हमारे पास इतनी विशाल आबादी का पेट भरने के लिए पर्याप्त अनाज और संसाधन मौजूद हैं। इसके बावजूद पड़ोस के हालात सिर्फसचेत ही नहीं करते, डराते भी हैं।**

शशि शेखर

श्रीलंका से उठते धुएं का संदेश

श्रीलंका के कार्यवाहक राष्ट्रपति रनिल विक्रमसिंघे की शिकायत है- 'हिटलर जैसी मानसिकता के लोगों ने मेरे घर पर हमला बोल दिया। उन लोगों ने न केवल उसे तहस-नहस किया, बल्कि 200 से ज्यादा पुरानी दुर्लभ पेंटिंग और ढाई हजार पुस्तकों को आग के हवाले कर दिया। मेरी अकेली पूंजी यही थी।' इतनी पुस्तकों का संग्रह रखने वाले विक्रमसिंघे ने यकीनन फ्रांस और रूस की राज्य-क्रांतियों के बारे में पढ़ा होगा। उनका अकेला सबक है, भूख से बिलबिलाती जनता किसी तख्त-ओ-ताज की परवाह नहीं करती। श्रीलंका में यही हो रहा है।

इस द्वीप देश के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब लोग अपने काम पर नहीं जा पा रहे हैं, स्कूल बंद हैं, दुकानें खाली पड़ी हैं और कीमतें आसमान के पार पहुंच चुकी हैं। गुजरी 9 जुलाई को जिस तरह की भीड़ राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के सरकारी आवास और उसके आसपास दिखाई पड़ी, उसने साबित कर दिया कि यह मौजूदा वक्त की दुर्लभ घटना है। वहां गम और गुस्सा महीनों से खदबदा रहा था। महंगाई लोगों का जीना मुहाल किए हुए थी और क्षुब्ध जन रह-रहकर सड़कों पर आ जाते थे। इस दौरान कई सांसद उनके गुस्से का शिकार बन चुके थे। 9 जुलाई का प्रतिरोध पहले से घोषित था, पर यह इतना भयंकर होगा, इसका अंदाजा लगाने में गोटबाया का तंत्र नाकाम रहा। लोग इतनी बड़ी संख्या में उमड़े कि पुलिस और सेना की लाठियां, गोलियां अथवा अश्रु गैस अर्थहीन साबित हुईं।

हताश राजपक्षे देश छोड़कर भाग गए, जबकि उनके भाई को नाराज लोगों ने कोलंबो हवाई अड्डे पर रोक लिया। राजपक्षे परिवार ने दशकों इस मुल्क पर हुकूमत की। क्या गोटबाया लुई 16वें या जार निकोलाई द्वितीय की तरह सत्ता के लंबे सिलसिले की आखिरी और बदनाम कड़ी साबित होने जा रहे हैं? उनके पलायन से पहले ही जनता मान चुकी थी कि ये हमारे जनार्दन नहीं, बल्कि हितहंता हैं। यही वजह है कि जो भीड़ राष्ट्रपति भवन में घुसी, उसका कोई सर्वमान्य नेता नहीं था। बहुत से लोग वहां अपने बच्चों को सिर्फ यह दिखाने पहुंचे कि देखो, हम कैसे दुर्दिन जीते हैं और हमारे राजनेता किस वैभव का आनंद उठाते हैं?

उनके पलायन के बाद जब कमान रनिल विक्रमसिंघे के पास आई, तो प्रतिरोध एक बार फिर भड़क उठा। जन-मान्यताओं में वह गोटबाया की चौसर पर चस्पां 'गोट' भर हैं। अविश्वास के इस माहौल में वह विपक्षी दलों को कैसे साथ लेंगे? जन-समर्थन कैसे जुटाएंगे? आक्रोश शांत करने के लिए उन्होंने आपातकाल की घोषणा कर दी है, पर पुलिस और सेना के जवानों की सहानुभूति जनता के साथ है। लोग अभी भी सड़कों पर हैं। सुरक्षा बल उन्हें तितर-बितर करने के लिए ज्यादातर आंसू गैस छोड़ते, हल्का लाठीचार्ज करते या हवा में गोलियां चलाते दिखे। संसद भवन में घुसती भीड़ को रोकने के लिए उन्हें अपेक्षाकृत अधिक कड़ाई से काम लेना पड़ा। नतीजतन, तीन लोग मारे गए। कोलंबो की सड़कों पर इसके बाद टैंक तैनात कर दिए गए। इसके बावजूद सैनिकों और आम जन में सौहार्द चुका नहीं। कहीं सैनिकों ने आंसू गैस से हलकान लोगों को पानी पिलाया, तो कहीं प्रदर्शनकारी घायल सैनिकों की मदद करते दिखे। यही वजह है कि राष्ट्रपति भवन पर कब्जा जमाए लोग बगैर बल प्रयोग के बाहर निकल गए। यह जज्बा इस समूचे आंदोलन को अनूठा स्वरूप प्रदान करता है।

आर्थिक ज्वालामुखी के विस्फोट का शिकार होने वाला यह अकेला देश नहीं है। उसकी तरह लेबनान में भी जन-विद्रोह के हालात हैं। वहां की हुकूमत विदेशी कर्ज चुकाने में नाकामयाब रही है। खाद्यान्न, दवाइयों और आवश्यक वस्तुओं के अभाव में लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। यही हाल वेनेजुएला सहित लैटिन अमेरिका के तमाम देशों और घाना समेत कुछ अफ्रीकी देशों का है। कुलजमा 17 मुल्कों के लोग इसी विपदा के शिकार हैं। धरती के इन हिस्सों में समूची आबादी के 12 फीसदी लोग रहते हैं।

क्या 90 करोड़ की इस विशाल आबादी के दुख-दर्द को भूलकर दुनिया आगे की राह नाप सकती है? क्या इनकी मदद के लिए मालदार देश और वैश्विक संस्थाएं कुछ कारगर कदम उठा पाएंगी?

मौजूदा हालात में ऐसा नहीं लगता। खुद यूरोपीय महाद्वीप और अमेरिका कोरोना के समय से डगमग हैं। हालात कुछ सुधरे थे कि रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। अब इस जंग ने न केवल यूरोप को पूरी तरह विभाजित कर दिया है, बल्कि एक और खतरा पैदा हो गया है। मास्को ने 'सालाना रखरखाव' के लिए 'नॉर्ड स्ट्रीम-1' को 21 जुलाई तक के लिए बंद कर दिया है। पश्चिम को संदेह है कि दबाव बढ़ाने के लिए पुतिन इसे आगे और बढ़ा सकते हैं। इसके रुक जाने से जर्मनी समेत तमाम देश अंधेरे में डूब सकते हैं। साथ ही तमाम अन्य मुश्किलात पैदा हो सकती हैं। अगर ऐसा हुआ, तो पहले से ढलान पर खड़ी इस महाद्वीप की अर्थव्यवस्था और बदतर हो जाएगी। यह तब है, जब रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से अब तक ऊर्जा की कीमतों में 400 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज हो चुकी है।

ध्यान रहे। गई15 फरवरी को ही विश्व बैंक ने दुनिया को आगाह किया था कि 70 विकासशील देशों के सिर पर विदेशी कर्ज का 'डिफॉल्टर' होने का खतरा मंडरा रहा है। गौर करें, तब तक रूस-यूक्रेन युद्ध नहीं छिड़ा था। लड़ाई 24 फरवरी को शुरू हुई और मार्च में संयुक्त राष्ट्र ने अगली चेतावनी जारी की, जिसमें कहा गया कि 107 अर्थव्यवस्थाओं पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यहां खाद्य वस्तुओं और ईंधन में इतना उछाल आ सकता है कि ये देश गंभीर वित्तीय संकट में फंस जाएंगे। तमाम मुल्क तो अभी से खाद्यान्न के लिए पूरी दुनिया से गुहार लगा रहे हैं। मिस्र के पास कुछ दिन लायक गेहूं बचा है, तो ट्यूनीशिया इन तीनों समस्याओं से एक साथ जूझ रहा है। वहां विदेशी कर्ज कुल सकल घरेलू उत्पाद का दोगुना हो चुका है। क्या श्रीलंका और लेबनान शुरुआत भर हैं?

श्रीलंका के साथ हमारे पड़ोसी पाकिस्तान और नेपाल समान संकट का शिकार हैं। पाकिस्तान के योजना एवं विकास मंत्री अहसान इकबाल ने पिछले महीने फरमाया कि लोग एक-दो कप से ज्यादा चाय न पिएं, ताकि बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचाई जा सके। पाकिस्तान हर बरस 600 मिलियन डॉलर सिर्फ चाय आयात में खर्चता है। नेपाल में भी आर्थिक मंदी के लक्षण साफदिख रहे हैं। वहां विदेशी मुद्रा का भंडार छह माह का भी नहीं बचा है। इस मुद्रा से जनता के उपयोग के लिए आवश्यक वस्तुएं आयात की जाती हैं।

यही वह मुकाम है, जो नई दिल्ली के लिए चिंता पैदा करता है। तीन दिशाओं के तीन पड़ोसी जब बदहाल हों, तो वहां अराजकता भड़कने के अंदेशे पैदा हो जाते हैं। एक और पड़ोसी चीन पहले से ही हमारी सीमाओं पर हत्यारी हलचल मचा रहा है। शुक्र बस इतना है कि हमारे पास इतनी विशाल आबादी का पेट भरने के लिए पर्याप्त अनाज और संसाधन मौजूद हैं। इसके बावजूद पड़ोस के हालात सिर्फसचेत ही नहीं करते, डराते भी हैं।

अब इससे बड़ी देशभक्ति भला और क्यो होगी

मामून अख्तर, शिक्षा कर्मयोगी

बढ़ते सांप्रदायिक विद्वेष और दरकते सामाजिक भरोसे के दौर में अचानक एक ऐसी खबर सामने आ खड़ी होती है, जिसका मुख्य किरदार हमारे इस यकीन को सहेज जाता है कि हम सबके पुरखों ने जिस हिन्दुस्तान का ख्वाब देखा है, उसकी बुनियाद उन्होंने बहुत मजबूत रखी है और यह सपना कोई हमसे छीन नहीं सकता। मामून अख्तर एक ऐसी ही खबर से वाबस्ता शख्सियत हैं। उनके 'समैरिटन मिशन स्कूल' को हाल ही में ब्रिटेन की शोध संस्था 'टी-4 एजुकेशन' ने दुनिया के 10 सर्वश्रेष्ठ प्रेरक स्कूलों में शामिल किया है। मामून के इस मुकाम तक पहुंचने का सफर वाकई काबिले-तारीफ है। ऐसे में, सूबे की मुखिया से लाजिमी तौर पर उन्हें बधाई मिलनी ही थी, उन पर तो पूरा देश नाज करेगा!

हावड़ा की टिकियापाड़ा झोपड़पट्टी में पैदा हुए मामून के पिता ठेके पर छोटा-मोटा सरकारी काम किया करते थे। घर ठीक से चल जाता था, लेकिन बेटे की परवरिश और तालीम को लेकर वह बड़े फिक्रमंद रहा करते। दरअसल, वह जिस इलाके में रहते थे, उन दिनों वहां जरायम की जड़ें काफी गहरी थीं। छोटे-छोटे बच्चे और औरतें तक ड्रग्स तस्करी व मोटर पार्ट्स की चोरी में शामिल थे। उस माहौल से बचाने की एक ही सूरत थी कि मामून को किसी बेहतर जगह तालीम मिले। उन्होंने बेटे का दाखिला एक अच्छे निजी स्कूल में कराया। स्कूल में मामून का प्रदर्शन भी काफी अच्छा था। पिता के सपने को ठोस आधार मिलने लगा था। लेकिन कुछ ऐसा हुआ कि उनको काम मिलने कम होते गए। आमदनी प्रभावित हुई, तो मामून की पढ़ाई भी।

स्कूल की फीस चुकाने में अब अक्सर देर होने लगी थी। शिक्षक सबके सामने टोक दिया करते। मामून 11 साल के थे। सातवीं कक्षा की फाइनल परीक्षा होने वाली थी। उन्होंने दिल लगाकर तैयारी की थी। लेकिन दुर्योग से पिछले दो सेमेस्टर की फीस पिता अदा न कर पाए थे। आखिरकार, एक दिन भरी क्लास में शिक्षिका ने कह दिया- मामून, फीस नहीं दे सकते, तो तुम इम्तिहान में भी नहीं बैठ सकोगे। बालक मन टूट गया। वह टूटन कक्षा में उपहास से उपजी थी या पिता की बेबसी से या साल भर के परिश्रम के जाया जाने से, किशोर मन समझ नहीं सका। मगर एक टीस उस दिन जरूर पैदा हुई कि किसी गरीब बच्चे की पढ़ाई यूं नहीं छूटनी चाहिए।

स्कूल के अहाते से सड़क तक पहुंचने के दरम्यान जिंदगी ने मामून को गहरा पाठ पढ़ा दिया था। किशोर मन अचानक परिपक्व हो गया। मामून ने उसी शाम से नर्सरी और कक्षा एक-दो के बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना शुरू कर दिया। ट्यूशन पढ़ाकर ही उन्होंने बारहवीं तक की अपनी पढ़ाई पूरी की, मगर उनके भीतर यह खलिश लगातार पलती रही कि पैसे की कमी के कारण उनका स्कूल छूट गया था। वह अक्सर सोचते रहते कि ऊपर वाले ने अगर मौका दिया, तो वह अपने जैसे बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा वाला एक स्कूल जरूर खोलेंगे। सोच में तो स्कूल की नींव पड़ गई थी, मगर संसाधन कहां थे?

साल 1999 की बात है। एक दिन वह बस्ती की सड़क से गुजर रहे थे। अचानक एक बच्चा दौड़ते हुए उनके कदमों से लिपट गया और रोते हुए बोला- दादा, मेरी मां को बचा लो! मामून ने देखा कि एक आदमी उसकी मां को बुरी तरह पीट रहा है। उन्होंने फौरन हस्तक्षेप कर उस महिला को बचाया। पता चला, वह आदमी उस औरत व बच्चे से ड्रग्स बिकवाना चाहता है, जबकि बच्चा पढ़ने को उत्सुक है। मामून ने बच्चे से कहा कि वह उनके घर आ जाया करे, वक्त निकालकर वह उसे पढ़ा दिया करेंगे। वह बच्चा एक-एक कर बस्ती के छह बच्चों को साथ लाने लगा। मामून को लगा कि ऊपर वाला उन्हें कुछ संकेत दे रहा है। एक चटाई, चंद कॉपियां और कुछ पढ़ने, आगे बढ़ने को बेताब गरीब बच्चे... एक कमरे से मामून का मिशन स्कूल शुरू हो गया।

मामून को उनका मकसद मिल गया था। वह अब गली-गली घूमकर रिक्शा चालकों और मजदूरों को अपने बच्चे भेजने के लिए जागरूक करने लगे। जब 25 बच्चे हो गए, तो संसाधन जुटाने के लिए वह घर-घर गए। साल 2003 में मामून की निगाह एक खबर पर पड़ी, जो शहर की संस्थाओं को अमेरिकी वाणिज्य दूत की पत्नी द्वारा माली इमदाद मुहैया कराने से जुड़ी थी। मामून ने भी उन्हें एक अनुरोध पत्र लिखा और कुछ ही समय बाद वह टिकियापाड़ा आईं और उन्होंने 10 हजार रुपये की मदद भी दी। इन पैसों के साथ उनका आना एक खबर थी। बजरिये एशियन एज उस खबर ने मामून के नाम और काम को मुंबई के दानवीर रमेश कचौलिया तक पहुंचा दिया। कचौलिया ने मामून की काफी मदद दी। कहते हैं, इरादे नेक हों, तो फरिश्ते भी फलक से मदद करने चले आते हैं। मामून की इस कोशिश को चारों तरफ से मदद मिलने लगी। सरकारी इदारों और हावड़ा पुलिस ने भी उनका बढ़-चढ़कर साथ दिया। मदद में मिली धनराशि से मामून ने एक बड़ा प्लॉट खरीदा और 2008 में उस पर बड़ी इमारत बनकर खड़ी हो गई। अब तक वह नर्सरी से तीसरी जमात तक के बच्चों का दाखिला लिया करते थे, लेकिन इसके अगले साल से हर वर्ष एक नया दर्जा समैरिटन मिशन स्कूल में जुड़ता गया। स्कूल की शिक्षा-गुणवत्ता को देखते हुए पश्चिम बंगाल शिक्षा बोर्ड ने भी साल 2016 में इसे अपनी मान्यता दे दी।

छह बच्चों से शुरू हुआ वह मिशन स्कूल आज करीब 250 शिक्षकों की मदद से 6,500 बच्चों का भविष्य संवार रहा है, बगैर कोई भेदभाव किए कि उनकी नस्ल क्या है, उनका मजहब क्या है, उनकी पृष्ठभूमि क्या है! हम और आप देशभक्ति की परिभाषा सुलझाने में उलझे रहते हैं, मामून अख्तर ने इसे जीकर दिखा दिया।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

संसार को भीड़ से बचाने का सूत्र

ग्यारह जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। ऐसे अवसरों पर लोग उत्सव करते हैं लेकिन इस विश्व दिवस पर लोग चिंता में पड़ गए हैं। उन्हें चिंता यह है कि दुनिया की आबादी इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो अगले 30 साल में दुनिया की कुल आबादी लगभग 10 अरब हो जाएगी। इतने लोगों के लिए भोजन, कपड़े, निवास और रोजगार की क्या व्यवस्था होगी? क्या यह पृथ्वी इंसान के रहने लायक बचेगी? पृथ्वी का क्षेत्रफल तो बढ़ना नहीं है और अंतरिक्ष के दूसरों ग्रहों में इंसान को जाकर बसना नहीं है।

ऐसे में क्या यह पृथ्वी नरक नहीं बन जाएगी? बढ़ता हुआ प्रदूषण क्या मनुष्यों को जिंदा रहने लायक छोड़ेगा? ये ऐसे प्रश्न हैं, जो हर साल जमकर उठाए जा रहे हैं। ये सवाल हमारे दिमाग में काफी निराशा और चिंता पैदा करते हैं लेकिन अगर हम थोड़े ठंडे दिमाग से सोचें तो मुझे लगता है कि मनुष्य जाति इतनी महान है कि वह इन मुसीबतों का भी कोई न कोई हल निकाल लेगी। जैसे अब से लगभग 70 साल पहले दुनिया की आबादी सिर्फ ढाई अरब थी लेकिन अब वह लगभग 8 अरब हो गई है।

क्या इस बढ़ी हुई आबादी को कमोबेश सभी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं? नए-नए आविष्कारों, यांत्रिक विकासों और आपसी सहकारों के कारण दुनिया के देशों में जबर्दस्त विकास हुआ है। इन्हीं की वजह से लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और पिछले 40 साल में लोगों की औसत आयु में 20 साल की वृद्धि हो गई है। जो लोग पहले 50 साल की आयु पाते थे, वे अब 70 साल तक जीवित रहते हैं। जनसंख्या-वृद्धि का यही मूल कारण भी है। परिवार नियोजन तो लगभग सभी देशों में प्रचलित है।

जापान और चीन में यह चिंता का विषय बन गया है। वहां जनसंख्या घटने की संभावना बढ़ रही है। यदि दुनिया की आबादी 10-12 अरब भी हो जाए तो उसका प्रबंध असंभव नहीं है। खेती की उपज बढ़ाने, प्रदूषण घटाने, पानी की बचत करने, शाकाहार बढ़ाने और जूठन न छोड़ने के अभियान यदि सभी सरकारें और जनता निष्ठापूर्वक चलाएं तो मानव जाति को कोई खतरा नहीं हो सकता।

मुश्किल यही है कि इस समय सारे संसार में उपभोक्तावाद की लहर आई हुई है। हर आदमी हर चीज जरुरत से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहता है। इस दुर्दांत इच्छा-पूर्ति के लिए यदि प्राकृतिक साधन दस गुना ज्यादा भी उपलब्ध हों तो भी वे कम पड़ जाएंगे। ऐसी हालत में पूंजीवादी और साम्यवादी विचारधाराओं के मुकाबले भारत की त्यागवादी विचारधारा सारे संसार के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध हो सकती है।

जिस संयुक्तराष्ट्र संघ ने 11 जुलाई 1989 को इस विश्व जनसंख्या दिवस को मनाने की परंपरा डाली है, उसके कर्त्ता—धर्त्ताओं से मैं निवेदन करुंगा कि वे ईशोपनिषद् के इस मंत्र को सारे संसार का प्रेरणा-वाक्य बनाएं कि 'त्येन त्यक्तेन भुंजीथा' याने 'त्याग के साथ उपभोग करें' तो आबादी का भावी संकट या उसकी चिंता का निराकरण अपने आप हो जाएगा।

वेद प्रताप वैदिक

श्रीलंका की झांकी में भारत

हरिशंकर व्यास

भारत को श्रीलंका की दशा में अपनी झांकी देखनी चाहिए। सोचें, यदि भारत की दशा श्रीलंका जैसी हुई तो भारत की मदद के लिए कौन होगा? क्या दुनिया वैसे ही भारत से दूरी बनाए हुए नहीं होगी, जैसे श्रीलंका से बनाए हुए है? फिर भारत का संकट कितने आयाम लिए हुए होगा? भारत का संकट अकेले आर्थिकी का नहीं होना है, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक भी होगा। भारत की आबादी और आकार के आगे श्रीलंका कुछ नहीं है। भारत की आयातों और आवश्यकताओं की भूख विशाल है तो साथ में उसके चीन और पाकिस्तान से पंगे हैं, हिंदू-मुस्लिम, खालिस्तानी, संघीय व्यवस्थाओं के इतने तनाव हैं कि उस सबमें दुनिया के कौन से देश भारत की चिंता करते हुए होंगे? क्या अमेरिका, ब्रिटेन या रूस और चीन या जापान? कटु सत्य है कि पूरी दुनिया ने दक्षिण एशिया की अनदेखी की हुई है। अफगानिस्तान महीनों से भुखमरी व भूकंप जैसी आपदाओं के बावजूद अछूत है। बांग्लादेश हाल में बाढ़ में डूबा हुआ था लेकिन वैश्विक मदद और चिंता नहीं के बराबर। ऐसे ही म्यांमार, पाकिस्तान, नेपाल जैसे देशों से भी दुनिया के अमीर-विकसित देशों की नजरें फिरी हुई हैं। चीन ने जिस तरह श्रीलंका को रामभरोसे छोड़ा है उससे साफ है कि वह अब भूराजनीतिक सरोकारों में भी दक्षिण एशिया की परवाह करता हुआ नहीं हैं। उसे तनिक भी यह चिंता नहीं हुई कि श्रीलंका पर शिकंजे के बाद यदि वह दिवालिया हुआ है तो उसकी मदद कर अपनी बदनामी रोके। चीन ने साबित किया है कि वह पहले साहूकार देश है। उसकी महाशक्ति की ताकत सौ टका आर्थिक हितों के लिए है। उससे भाईचारे, मानवीय संकट में मदद और मित्र देश के उदार व्यवहार की उम्मीद नहीं करें। श्रीलंका की गोटबाया राजपक्षे सरकार ने बहुत हाथ-पांव मारे। राष्ट्रीय सम्मान और सुरक्षा को ताक में रख कर हर संभव वह कोशिश की, जिससे दुनिया के देश मदद के लिए आगे आएं। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों के कारण वैश्विक संस्थाओं ने रहम नहीं दिखाई तो चीन तथा रूस बात करते रहे लेकिन मदद नहीं मिली। जापान तक ने कन्नी काटी। क्यों? राष्ट्रपति राजपक्षे और उनकी पार्टी की मूर्खताओं के कारण। अपनी सनक में आर्थिक और विदेश नीति के ऐसे फैसले लिए, जिससे सभी देशों का मन उचट गया। एक वक्त था जब पश्चिमी देशों में, जापान में, आसियान देशों में बौद्ध देश श्रीलंका के प्रति लगाव था। उसकी बेइंतहां पर्यटन कमाई थी। ध्यान रहे भारत सहित सभी दक्षिण एसियाई देशों से बेहतर श्रीलंकाई लोगों का जीवन स्तर था। लोग खुशहाल और अच्छे वक्त में जीते हुए थे। सिंहली बनाम तमिल के अंदरूनी गृहयुद्ध के खत्म होने के बाद श्रीलंका में अमन-चैन बना तो विदेशी निवेश भी बढ़ा।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

Sanitary And Pipes Shop
Shree Hanuman Enterprises
Deals In: Sanitary, Hardware, PVC and CPVC Pipes, Water Tanks & Kitchen Sinks etc.
Deepak Kumar Shrivastava
7771831789
7974777438
Meenakshi Nagar, Beside of New Culcutta Sweets, Borsi Road, Durg (C.G.)-491001

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

रविवार, 17 जुलाई 2022

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

नवीन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर, गौठानों में नवाचार को दिया जाएगा बढ़ावा: कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के गौठानों में आने वाले दिनों में और संवर्धन किया जाएगा, सभी गौठानों में वर्तमान में चल रही आजीविका मुल्क गतिविधियों में नवीन गतिविधियों को जोड़कर इनकी संख्या को बढ़ाया जाएगा, जिससे कि गौठान के आस-पास रहने वाली मूल निवासियों के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में रोजगार सृजीत किया जा सके। गौठानों को और बेहतर बनाने की दिशा में कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा द्वारा सक्रिय दौरा किया जा रहा है।

इसी कड़ी में उन्होंने आदर्श चंदखुरी गौठान से निरीक्षण किया और वो कोनारी व थानौद के गौठान भी पहुंचे। गौठान की स्व सहायता समूह की दीदियों का वर्तमान कार्य देखकर उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की और गौठानों को और बेहतर बनाने की दिशा में नवाचार को अपनाने की बात कही।

गौठानों में नवीन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर नवाचार को दिया जाएगा बढ़ावा

गौठानों में हाईटेक डेयरी फॉर्म का निर्माण किया जाएगा। जिसमें डेयरी की शुरुआत उच्च नस्ल की गाय और भैंसों के साथ की जाएगी। जिसमें साहिवाल और गिर जैसे ज्यादा दूध देने वाले गायों को स्थान दिया जाएगा ताकि स्व सहायता समूह की दीदियां ज्यादा से ज्यादा आर्थिक लाभ ले सकें।

इसके अलावा बकरी पालन और मशरूम जैसी गतिविधियों को भी गौठानों में शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर कलेक्टर ने जहां-जहां कुकुट पालन का कार्य किया जा रहा है वहां गौठानों में मुर्गियों की क्षमता को 1 हजार करने का निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिया।

क्लोजड शेड में क्रॉस वेल्टीनेशन को दी जाएँ प्राथमिकता

अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौठान में बने शेड का बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को क्लोजड शेड में क्रॉस वेल्टीनेशन को प्राथमिकता देने के लिए कहा ताकि पशुधन गर्मी और आद्रता जैसी परिस्थितियों का बेहतर तरीके से सामना कर सके।

कलेक्टर ने चंदखुरी गौठान में हुए कार्य की विशेष रूप से प्रशंसा की, उन्होंने यहां के आर्नामेंट मछली पालन, कुकुट पालन,बाड़ी से लेकर वर्मी कंपोस्ट खाद की चालिटी को उच्च गुणवत्ता का बताया। उन्होंने सभी सहायता समूह की विधियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमें निरंतर ऐसे अच्छे प्रयासों को जारी रखना है और शासन की मंशा को एक नई दिशा देना है।

कलेक्टर निकुम के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी पहुंचे थे, जहां उन्होंने नवीन 30 बेड के बन रहे वार्ड का निरीक्षण किया। जिसमें 10 बेड पीएनसी वार्ड के लिए और 20 बेड आइसोलेशन वार्ड की बन रहे हैं। इसके साथ-साथ उन्होंने वहां उपस्थित डॉक्टरों और अन्य संबंधित अधिकारियों को बारिश के मौसम में स्वास्थ सेवाओं को और मेडिसिन के स्टॉक को दुरुस्त रखने के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा कलेक्टर ने नरवा कार्य के अंतर्गत थानौद नाले का निरीक्षण भी किया, जो कि अंजोरा से थानौद के रास्ते शिवनाथ नदी में मिलता है। यह संबंधित अधिकारियों ने उन्हें बताया कि नाले में पानी का स्तर बेहतर है जिसे आस-पास के सिंचाई के रख दे में वृद्धि भी हो रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, दुर्ग एसडीएम मुकेश रावटे एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री शामिल हुए राष्ट्र संत ललितप्रभ सागर के दिव्य सत्संग प्रवचन माला के कार्यक्रम में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज राजधानी रायपुर के आउटडोर स्टेडियम बूढ़ापारा में राष्ट्र सन्त ललितप्रभ सागर के चल रहे दिव्य सत्संग प्रवचन माला 'जीने की कला' में शामिल हुए। श्री बघेल ने राष्ट्र संत श्री ललितप्रभ सागर जी महाराज का प्रवचन सुना तथा उनसे प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सकल जैन समाज, श्री ऋषभदेव जैन मंदिर ट्रस्ट एवं दिव्य चातुर्मास समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मुनि श्री शांतिप्रिय सागर जी, महापौर रायपुर एजाज ढेबर, दिव्य चातुर्मास समिति के अध्यक्ष त्रिलोकचंद बरड़िया, ऋषभदेव जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया सहित के अनेक पदाधिकारी और श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 'हैप्पी थाट्स' कैलेण्डर का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ की पावन धरा में राष्ट्र संतों का स्वागत करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि राष्ट्र संत श्री ललितप्रभ सागर जी ने अपने प्रवचन के लिए छत्तीसगढ़ को चुना। हम सभी उनके अनेक प्रवचन पुस्तकों, कैसेट और अन्य माध्यम से सुनते रहते हैं परन्तु आज पहली बार प्रत्यक्ष रूप से उनका सत्संग सुनने का अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री ललितप्रभ सागर जी ने अपने प्रवचन में इतनी सुंदर बात कही कि क्रोध में कैसे नियंत्रण रखना है, जीवन में किस प्रकार सकारात्मकता बनाये रखना है। इन सब बातों को अपने जीवन में उतारेंगे, विचारों में असमानता का सम्मान करना सीखेंगे तो निश्चित रूप से हम सब का भला होगा। इससे व्यक्ति का, परिवार का, समाज का और पूरे देश का भला होगा।

खास खबर

पार्षद बंजारे ने कांवरियों को किया रवाना

दुर्ग। सावन मास में देश के कोने-कोने से कांवरियों का जत्था बाबा धाम बैद्यनाथ धाम पहुंचता है। हर साल यहां से देशभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु और कांवरिया बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए एकजुट होते हैं। इस पावन बेला में दुर्ग से भी हर साल श्रद्धालुओं का एक जत्था बाबा पहुंचता है। शुक्रवार को बोल बम शिव शक्ति कांवरिया संघ के 36 कांवरिया बाबा धाम बैद्यनाथ के लिए रवाना हुए। परेतिन चौक गयानगर से कावर यात्रियों को मठपारा के वार्ड पार्षद नरेन्द्र बंजारे ने बाबा के जय घोष के साथ रवानगी किया। बोल बम शिव शक्ति कावरिया संघ दुर्ग के संतोष साहू, नंद यादव, मनोज कुमार साहू, धीरज साहू, हिमलेस साहू, पुष्पकांत साहू, पप्पू साहू, नवेन्द्र साहू, गणेश साहू, संजू साहू, तामेस्वर साहू, होरी लाल ढीमर, राधेश्याम निर्मलकर, दुर्गेश, तोरन (कोधी) बाबाधाम के लिए रवाना हुए।

पत्रकारिता विभाग से रेशमी साहू ने किया रक्तदान

राजनांदगांव। 12 जुलाई 2009 को शहीद हुए शहीदों के श्रद्धांजलि एवं सम्मान में 11 जुलाई को शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में प्राचार्य डॉक्टर के. एल. टांडेकर के नेतृत्व मे एवं रेडक्रॉस, रेडरिबन , एनसीसी, विभिन्न सामाज सेवी संगठन, संस्था एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत की उपस्थिति में प्राध्यापक रेशमी साहू ने रक्तदान किया। रेशमी साहू बताया कि सिर्फ एक यूनिट रक्तदान करके आप तीन लोगों की जान बचा सकते हैं, रक्तदान महादान है लोगों द्वारा किए गए रक्तदान से कई लोगो का जीवन बचाया जा सकता है।

सभी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी लोकहित में आपसी समन्वय एवं सहयोग के साथ करें कार्य : अमरजीत भगत

योजनाओं के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए कार्यों की निरंतर करें मॉनिटरिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत ने आज कलेक्टोरट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर शासन की विभागीय योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की। खाद्य मंत्री श्री भगत ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि सभी जिला स्तरीय अधिकारी अपना कार्य नैतिक जिम्मेदारी के साथ करें। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने योजनाओं के माध्यम से देश में छत्तीसगढ़ की विशेष पहचान बनाई है। शासन की नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना की राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हो रही है।

छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां गोधन न्याय योजना के तहत 2 रूपए में गोबर खरीदी कर वर्मी कम्पोस्ट तैयार किया जा रहा है। वहीं गौमूत्र की खरीदी की भी तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी लोकहित में आपसी समन्वय एवं सहयोग के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी पहल से बड़े कार्य हो जाते हैं, इसलिए सभी सामंजस्य बनाए रखें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए कार्यों की मॉनिटरिंग निरंतर करते रहे। जनसामान्य का कार्य रूकना नहीं चाहिए। उन्होंने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा सभी अधिकारियों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संसदीय सचिव श्री इंद्रशाह मंडावी, अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष दलेश्वर साहू, अनुसूचित जाति प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री भुनेश्वर बघेल, युवा आयोग के अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार, विधायक खुज्जी श्रीमती छन्नी साहू, महापौर श्रीमती हेमा देशमुख, राजगामी संपदा न्यास के अध्यक्ष विवेक वासनिक, विधायक प्रतिनिधि लीलाराम भोजवानी एवं कलेक्टर डोमन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर उपस्थित थे।

खाद्य मंत्री भगत ने आदिम जाति कल्याण विभाग को सभी स्कूल, छात्रावास एवं आश्रम में रंग-रोगन तथा मरम्मत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल में पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधा एवं व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लघु मरम्मत के लिए प्राप्त 1 करोड़ 16 लाख रूपए की राशि से सभी विकासखंडों में आवश्यक मरम्मत कराएं।

खाद एवं बीज की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने उन्हें बताया कि जिले में अच्छी बारिश हुई है। 172 प्रतिशत औसत वर्षा से खेती किसानी के कार्य के लिए अच्छा रहा है। डीएमओ ने बताया कि जिले में 87 प्रतिशत खाद उपलब्ध है तथा शीघ्र ही 2 हजार 600 मीट्रिक टन डीएपी की रेक प्राप्त होने वाला है। जिससे खाद की कमी दूर होगी। खाद्य मंत्री ने खाद की कालाबाजारी रोकने निजी दुकानों में लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद की कमी नहीं होना चाहिए। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष खाद एवं बीज के भण्डारण व वितरण की स्थिति अच्छी है। इसे विशेष ध्यान में रखते हुए कार्य करें। उन्होंने यूरिया, पोटाश एवं अन्य खाद की उपलब्धता पर संतुष्टि जाहिर की। समस्त विभागों के बजट आबंटन की स्थिति, समस्त निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति, आपदा प्रबंधन के तैयारी की समीक्षा, जनदर्शन से प्राप्त शिकायतों का निराकरण, खाद्य विभाग के अंतर्गत पीडीएस दुकानों के संचालन में प्राप्त शिकायतों का निराकरण, पीडीएस गोदामों की स्थिति, बारिश के समय पहुंच विहीन दुकानों के संचालन की वैकल्पिक व्यवस्था, पीडीएस दुकानों के युक्तियुक्तकरण की जानकारी, पूर्व वर्षों व इस वर्ष क्रय किये गये धान की जानकारी ली।

कृषि विभाग अंतर्गत राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत पंजीकृत कृषकों की संख्या व लाभान्वित कृषकों की संख्या, धान के बदले अन्य फसलों को बढ़ावा देने हेतु कार्य योजना, खनिज विभाग अंतर्गत डीएमएफ योजनांतर्गत कार्यों एवं आय व्यय की समीक्षा की। अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास विभाग अंतर्गत आवासीय विद्यालय के प्रबंधन की स्थिति, छात्रावासों के संचालन में कमियों के संबंध में, वन विभाग अंतर्गत योजनाओं की जानकारी, विभागीय योजनाओं की समीक्षा, 2022-23 हेतु वृक्षारोपण के संबंध में कार्ययोजना की जानकारी, वृक्ष कटाई हेतु प्राप्त आवेदनों के निरारण की स्थिति, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना की प्रगति के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर ने तीर्थयात्रा के इच्छुक वृद्धाश्रम के बुजर्गों की सूची ले प्रस्ताव भेजने के लिए कहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

वृद्धाश्रम की बुजुर्ग महिला ने वृंदावन जाने की इच्छा जताई

दुर्ग। जब लोग प्रशासन से जुड़ाव महसूस करते हैं और अधिकारियों से वार्तालाप कर अपनापन महसूस करते हैं तो वे ऐसी निजी इच्छाएं भी रखते हैं जिन्हें आमतौर पर प्रशासनिक कार्यों से संबंधित आम जनता नहीं मानती। आज एक आम नागरिक का जुड़ाव प्रशासन के साथ देखने को मिला।

सेक्टर 9 हॉस्पिटल में नर्स का कार्य करने वाली 80 वर्षीय रूपा तिवारी जो पुलगांव के वृद्ध आश्रम में रहती हैं, उनसे आज कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने पुलगांव में स्थित वृद्धाश्रम में मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना। इस अवसर पर रूपा तिवारी ने भावनात्मक रूप से कलेक्टर से निवेदन किया कि उनकी इच्छा वृंदावन जाने की है। इस पर कलेक्टर ने वहां उपस्थित संबंधित अधिकारियों को आश्रम में तीर्थ यात्रा के लिए इच्छुक सदस्यों की सूची बनाकर प्रस्ताव भेजने की बात कही। कलेक्टर पुलगांव में स्थित वृद्धा आश्रम के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे जहां उन्होंने आश्रम में रहने वाले सभी वृद्ध जनों से मुलाकात की और उनकी व्यवस्था के बारे में उनसे चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वृद्धा आश्रम की क्षमता, खाने की व्यवस्था, रूम की सफाई व्यवस्था और उनके मनोरंजन की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। वृद्धजनों के खान-पान से लेकर प्रतिदिन की दिनचर्या और व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देश भी दिये।

विशेषज्ञ डॉक्टर वृद्ध जनों को देंगे अपनी सेवा

अपने निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को विशेष हिदायत दी कि आश्रम में उपस्थित भी वृध्द जनों की रेगुलर चेकिंग विशेषज्ञ डॉक्टर से कराई जाए। ईएनटी स्पेशलिस्ट वृध्द जनों का निरीक्षण करा कर उन्हें हियरिंग एड मुहैया कराया जाए।

आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल जजंगिरी में आयोजित हुआ खेल प्रतियोगिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। क्षेत्रीय / संभाग स्तरीय चयन स्पर्धा/ गतका 19 वर्ष बालक/बालिका की प्रतियोगिता दिनांक 16/07/2022 को सुबह 09:30 बजे से स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल जजंगिरी (बी एम वाय चरोदा भिलाई) दुर्ग में आयोजित की गई। जिसमें 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया बालक और बालिका वर्ग में 11-11 खिलाड़ियों का चयन किया गया।

सिक्ख यूथ फोरम द्वारा संचालित अजीत खालसा गतका एकेडमी के बालक वर्ग में 9 खिलाड़ी कुलदीप सिंह, अर्शदीप सिंह, रनमीत सिंह, राजदीप सिंह, गगन सिंह, सुखराज सिंह, मनजोत सिंह, देव सिंह, हर्षदीप सिंह और बालिका वर्ग 7 खिलाड़ी गुरप्रीत कौर, रिया कौर, जसप्रीत कौर, मनप्रीत कौर, डिम्पल कौर, किरणदीप कौर, अमनदीप कौर का चयन हुआ। टीम के कोच अमन सिंह और राजवीर सिंह हैं। ये टीम राज्य स्तर स्पर्धा में भाग लेने के लिए 18 अक्टूबर को कबीरधाम जायेगी।

खिलाड़ियों के चयन पर छत्तीसगढ़ सिक्ख पंचायत के चेयरमैन स.जसबीर सिंह चहल, पलविंदर सिंह रंधावा, गुरनाम सिंह, सिक्ख यूथ फोरम अध्यक्ष स.सुच्चा सिंह उपाध्यक्ष प्रकाश सिंह, जगमोहन सिंह छत्तीसगढ़ बास्केटबॉल संघ की महासचिव अनिता पटेल, रोहित पटेल खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उक्त जानकारी सिक्ख यूथ फोरम के महासचिव स. जसवन्त सिंघ खालसा ने दी।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 398 मिमी औसत वर्षा दर्ज

बीजापुर में सर्वाधिक 1003.5 मि.मी और सबसे कम बलरामपुर में 136.5 मि.मी. वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 398 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 16 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1003.5 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 136.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। प्रदेश में पिछले दस वर्षों के आधार पर अब तक वर्षा का औसत 358.8 मि.मी. है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 153.8 मिमी, सूरजपुर में 217.4 मिमी, जशपुर में 159.8 मिमी, कोरिया में 239.7 मिमी, रायपुर में 262.5 मिमी, बलौदाबाजार में 388.4 मिमी, गरियाबंद में 443.2 मिमी, महासमुंद में 377.5 मिमी, धमतरी में 440.5 मिमी, बिलासपुर में 417.9 मिमी, मुंगेली में 464.8 मिमी, रायगढ़ में 358.9 मिमी, जांजगीर-चांपा में 497.3 मिमी, कोरबा में 314.6 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 415.7 मिमी, दुर्ग में 378.9 मिमी, कबीरधाम में 389.0 मिमी, राजनांदगांव में 446.9 मिमी, बालोद में 505.7 मिमी, बेमेतरा में 302.9 मिमी, बस्तर में 512.0 मिमी, कोण्डागांव में 496.6 मिमी, कांकेर में 546.8 मिमी, नारायणपुर में 414.2 मिमी, दंतेवाड़ा में 460.5 मिमी और सुकमा में 398.4 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

एसएसपी ने स्मृतिचिन्ह देकर पुलिसकर्मियों का बढ़ाया मनोबल

रायपुर। सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में हुई लाखों की चोरी के मामले को 24 घंटे में सुलझाकर ओडिशा से दो आरोपितों को गिरफ्तार करने वाले पुलिसकर्मियों को एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने स्मृतिचिन्ह देकर मनोबल बढ़ाया है। स्मृतिचिन्ह पाने वालों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध अभिषेक माहेश्वरी, एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट प्रभारी गिरीश तिवारी, सरस्वती नगर थाना प्रभारी श्रुति सिंह, एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट से शंकर लाल ध्रुव, मार्तण्ड सिंह, महेंद्र राजपूत, विजय पटेल, धनंजय गोस्वामी, नोहर देशमुख, आशीष राजपूत, वीरेंद्र बहादुर सिंह, घनश्याम प्रसाद साहू, बबीता देवांगन और थाना सरस्वती नगर से सउनि उमाशंकर वर्मा और नारायण प्रसाद साहू शामिल हैं।

खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय में पढ़ रहे श्रीलंकन छात्राओं की माफ हुई हॉस्टल फीस

रायपुर (ए)। आर्थिक और राजनितिक संकट से गुजर रहे श्रीलंका की स्थिति और भी खराब हो चुकी है। देश में खाने-पीने की चीजों को लेकर देश में गृह युद्ध के हालात बन गए हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ स्थित संगीत विश्वविद्यालय ने यहां रहकर पढ़ाई कर रहे श्रीलंका की छात्राओं की हॉस्टल फीस एक साल के लिए माफ कर दी है। यही नहीं विवि प्रबंधन ने परीक्षा व अन्य फीस पटाने की समयावधि भी एक साल के लिए बढ़ा दी है।

बता दें इंदिरा गांधी कला एवं संगीत विश्व विद्यालय में श्रीलंका की पांच छात्राएं पढ़ाई कर रही हैं। वे यहां हॉस्टल में रहकर पढाई कर रही है। श्रीलंका में आए आर्थिक संकट के कारण यहां पढ़ने वाले बच्चों के सामने फीस

भरने की चुनौती थी। इसके देखते हुए विश्वविद्यालय प्रबंधन ने इन्हें पड़ी राहत दी है। कैंडी शहर की रहने वाली सौभाग्या हेरथ और चुमोदया जयामिनी सहित कुल पांच छात्राओं की फीस माफ कर दी गई है।

जयामिनी ने बताया कि उनके पिता टीचर हैं। घर में मां एक छोटा भाई और बहन भी है। सौभाग्या ने बताया कि उसके पिता आर्मी से रिटायर हैं। घर में मां और भाई-बहन हैं। परिवार भी परेशानी में है। इन छात्राओं ने बताया कि काफी दुख होता है मगर यूनिवर्सिटी में रहने के दौरान सभी तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं। टीचर पढ़ाई को लेकर मोटिवेट करते हैं।

खैरागढ़ विश्वविद्यालय में श्रीलंका के 14 स्टूडेंट संगीत की अलग-अलग आर्ट फॉर्म की पढ़ाई कर रहे थे। इनमें से कई पढाई पूरी कर अपने देश लौट चुके हैं। जो बचे हैं उनके लिए हॉस्टल सहित अन्य फीस पटाना चुनौती है। बचे छात्र भी जल्द से जल्द पढाई पूरी कर वापस लौटना चाहते हैं।

कमेटी ने लिया निर्णय : कुलपति

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय कुलपति पद्मश्री डॉ. ममता (मोक्षदा) चंद्राकर कमेटी ने यह तय किया गया कि श्रीलंकन बच्चों से हॉस्टल फीस न ली जाए। जिन बच्चों ने फाइनेंशियल दिक्कतों की वजह से फीस जमा नहीं कर पाए है। उन्हें भी परीक्षा में शामिल होने दिया जाए ताकि बच्चों की पढ़ाई का नुकसान न हो। जो बच्चे श्रीलंका लौट चुके हैं सिर्फ उनके लिए प्रैक्टिकल की परीक्षा ऑनलाइन होगी। इन बच्चों की हॉस्टल फीस पूरी तरह माफ की गई है और शेष फीस के लिए एक साल का टाइम बढ़ा दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में शतरंज ओलंपियाड के मशाल की मौजूदगी यहां के खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी

सभी स्कूलों में हो शतरंज खेलने की व्यवस्था: भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने ग्रैंड मास्टर श्री प्रवीण थिप्से के हाथों से थामा मशाल, शतरंज की बाजी भी खेली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत में आयोजित हो रहे 44वें शतरंज ओलंपियाड की मशाल का रायपुर पहुंचने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल सहित अनेक खेल संघों, खिलाड़ियों, स्कूली बच्चों और जनप्रतिनिधियों ने जोरदार स्वागत किया। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित ग्रैंड मास्टर प्रवीण थिप्से भुवनेश्वर से यह मशाल लेकर रायपुर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को यह मशाल सौंपा। दोनों ने मंच पर शतरंज भी खेला। मुख्यमंत्री बघेल ने यह मशाल राज्य की शतरंज खिलाड़ी वूमन फीडे मास्टर सुश्री किरण अग्रवाल को सौंपा। सुश्री अग्रवाल राज्य चेस एसोशिएशन के महासचिव विनोद राठी के साथ इसे लेकर हैदराबाद जाएंगी। भारत की आजादी के इस साल 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर शतरंज ओलंपियाड की मशाल देश के 75 शहरों से होकर गुजर रही है जिसके 61वें पड़ाव के रूप में आज यह रायपुर पहुंचा है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष और विधायक कुलदीप जुनेजा, महापौर एजाज ढेबर तथा छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव गुरूचरण सिंह होरा भी स्वागत कार्यक्रम में शामिल हुए।

शतरंज ओलंपियाड की मशाल का स्वागत और अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि यह बहुत गौरव का विषय है कि वर्ल्ड चेस फेडरेशन ने पहली बार ओलंपिक मशाल की तर्ज पर चेस मशाल रिले की अनुमति दी है। भविष्य में चेस ओलंपियाड का आयोजन भले ही किसी भी देश में हो, उसके मशाल की शुरूआत भारत से ही होगी। रायपुर के साइंस कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित स्वागत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि इस बार चेस ओलंपियाड की मेजबानी हमारा देश कर रहा है। मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को विशेष तौर पर बधाई देता हूं कि उन्होंने इस गौरवपूर्ण आयोजन की मेजबानी के लिए अपने राज्य की ओर से 75 करोड़ रुपए की गारंटी और विश्व स्तरीय अधोसंरचना उपलब्ध कराई है। तमिलनाडु का महाबलीपुरम 188 देशों के दो हजार से अधिक खिलाडियों के दांव-पेंच तथा शह-मात के दिमागी कौशल का गवाह बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शतरंज ओलंपियाड मशाल की आज प्रदेश में मौजूदगी हमारे उदीयमान शतरंज प्रतिभाओं के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा का काम करेगा। उन्होंने राजनांदगांव की शतरंज खिलाड़ी सुश्री किरण अग्रवाल का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने 1986 से 1990 के बीच दो बार ओलंपियाड में भाग लिया था। इस गौरव को फिर से दोहराने की जरूरत है। तमिलनाडु में आयोजित ओलंपियाड में हमारे छत्तीसगढ़ की भी भागीदारी हो रही है। भिलाई के अलंकार भिवगड़े वहां निर्णायक की भूमिका निभाएंगे। सुश्री किरण अग्रवाल, विनोद राठी तथा एम.के. चन्द्रशेखर वहां आयोजन समिति का हिस्सा हैं। प्रदेश के अलग-अलग स्कूलों से चुने गए छह खिलाड़ी भी ओलंपियाड में शामिल होंगे और बड़े-बड़े खिलाड़ियों को देखकर सीखेंगे।

श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अखिल भारतीय शतरंज महासंघ की पहल पर 22 स्कूलों में शतरंज को बढ़ावा देने का काम शुरू किया गया है। बालोद जिला 'चेस इन स्कूल' पायलेट प्रोजेक्ट शुरू करने वाला देश का पहला जिला बन गया है। दंतेवाड़ा के आस्था स्कूल में भी शतरंज का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी स्कूलों में शतरंज खेलने की व्यवस्था हो ताकि बच्चों को बौद्धिक अभ्यास में मदद मिले। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की नई प्रतिभाएं न सिर्फ किरण अग्रवाल के कीर्तिमान को दोहराएं, बल्कि उससे भी आगे बढ़ें। यहां से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बड़ी संख्या में निकलें और दुनिया में प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आयोजन में भाग ले रहे खिलाड़ियों को देखकर अन्य पालक भी अपने बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे कि वे शतरंज तथा अन्य खेलों में रूचि लें।

देश के 75 शहरों से गुजरने वाली मशाल का 61वां पड़ाव था रायपुर

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि देश में हो रहे सबसे बड़े खेल आयोजन की मशाल आज छत्तीसगढ़ की धरती पर पहुंची है जिसका हम तहेदिल से स्वागत और अभिनंदन करते हैं। उन्होंने बताया कि महाबलीपुरम में आगामी 28 जुलाई से 10 अगस्त तक शतरंज ओलंपियाड का आयोजन हो रहा है। इस खेल के जन्मदाता भारत को पहली बार इसके आयोजन की जिम्मेदारी मिली है। शतरंज ओलंपियाड की मशाल देश के 75 शहरों से गुजर रही है जिसके 61वें पड़ाव के रूप में आज यह रायपुर पहुंचा है। उन्होंने मशाल के स्वागत के लिए पहुंचे सभी खेल संघों, खिलाड़ियों, जनप्रतिनिधियों और स्कूली बच्चों के प्रति आभार व्यक्त किया। छत्तीसगढ़ राज्य चेस एसोशिएशन के अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंघानिया ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव नीलम नामदेव एक्का और संचालक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा सहित अनेक विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

किसान अब 31 जुलाई तक करा सकेंगे खरीफ फसलों का बीमा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के आग्रह पर खरीफ सीजन 2022 के लिए केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत नामांकन की तिथि 15 जुलाई से बढ़ाकर 31 जुलाई कर दी गई है। भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ के कृषि उत्पादन आयुक्त को पत्र भेजकर इस संबंध में अवगत कराया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के नामांकन की तिथि में वृद्धि के मद्देनजर प्रदेश के ऐसे किसानों से जो अब तक खरीफ और उद्यानिकी फसलों का बीमा नही करा पाए हैं, उनसे बीमा कराने की अपील की है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के नामांकन की तिथि बढ़ने से अब छत्तीसगढ़ के किसान 31 जुलाई तक अपनी खरीफ फसलों का बीमा करा सकेंगे। राज्य में खरीफ 2022 के तहत धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, मूंग, उड़द एवं तुअर (अरहर) फसल का बीमा कृषक करा सकते है। अऋणी कृषक जो भू-धारक व बटाईदार हो, योजना में सम्मिलित हो सकते है। इस योजना अंतर्गत प्रावधानित जोखिम बाधिक रोपाई, स्थानीय आपदाएं, फसल कटाई उपरांत होने वाली क्षति तथा फसलवार पैदावार के आधार पर व्यापक क्षति अंतर्गत फसल क्षति हेतु दावा राशि का भुगतान प्रावधानानुसार किया जाता है। अधिसूचित फसल को बीमित कराने हेतु इच्छुक कृषक फसल बीमा हेतु 31 जुलाई 2022 तक नजदीकी बैंक या लोक सेवा केन्द्रों या बीमा कंपनी अथवा ग्रामीण पोस्ट ऑफिस में संपर्क कर अपनी फसल को बीमित करा सकते हैं।

खरीफ फसलों के बीमा के लिए किसानों को प्रीमियम राशि का 2 प्रतिशत और उद्यानिकी फसलों के बीमा के लिए प्रीमियम राशि का 5 प्रतिशत अंशदान के रूप में देना होता है। किसान अपनी फसलों का बीमा कराकर प्राकृतिक आपदा एवं मौसम की अनिश्चितता के चलते होने वाली फसल हानि, उत्पादन में कमी की भरपाई मिलने वाली बीमा दावा राशि से कर सकते हैं।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा ने अभनपुर और गरियाबंद के स्कूलों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला द्वारा रायपुर जिले के अभनपुर एवं गरियाबंद जिले के हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल के बच्चों से बातचीत कर विज्ञान की अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की। प्रयोगशाला का अवलोकन और पुस्तकालय से बच्चों की पढ़ने की आदि की जानकारी ली और स्कूली बच्चों को सभी विषयों में मार्गदर्शन दिया।

प्रमुख सचिव डॉ. शुक्ला अभनपुर ब्लॉक के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल, कन्या नवापारा तथा हरिहर नवापारा स्कूलों के औचक निरीक्षण के दौरान प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया। उन्होंने स्कूल में फिजिक्स के प्रेक्टिकल के छात्रों का, राजनीति विज्ञान के छात्रों का, कॉमर्स के छात्रों का मार्गदर्शन किया। विद्यार्थियों से प्रश्न भी किए, जिसका छात्रों द्वारा जवाब दिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि कोई भी शिक्षक किसी एक विषय में ही विशेषज्ञ होता है और उसी में ही छात्रों को शिक्षित करता है।

छात्र ने बनाई तस्वीर

हरिहर शाला में संचालित व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के कक्षा 10वीं के छात्र दीपक साहू ने प्रमुख सचिव डॉ. शुक्ला को स्वयं के हाथों से बनाई हुई उनकी तस्वीर भेंट की। बिना प्रशिक्षण के छात्र के इस हुनर से शुक्ला काफी प्रभावित हुए और छात्र द्वारा बनाई तस्वीर को भेंट स्वरूप स्वीकार किया।

शासन के निर्देशानुसार शनिवार को मिडिल के छात्रों के लिए बस्ता विहीन दिन के अवसर पर हरिहर मिडिल के छात्रों ने पेपर बैग का निर्माण कर सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प का संदेश दिया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर ए.एन. बंजारा, समग्र शिक्षा के डॉ. एम. सुधीश, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एम. मिंज सहित सभी शाला के प्राचार्य विशेष रूप से मौजूद थे।

प्राथमिक स्कूल के बच्चों को दी जाएगी स्थानीय भाषा में शिक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्राथमिक शालाओं में अध्ययनरत स्कूली बच्चों को उनकी स्थानीय भाषा में शिक्षा देने के लिए सभी इंतजाम सुनिश्चित किए जा रहे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इन स्कूलों में पदस्थ ऐसे शिक्षक जिन्हें स्थानीय भाषा की जानकारी उन्हें विशेष तौर पर प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को ऐसे शिक्षक जिन्हें स्थानीय भाषा का ज्ञान नहीं हैं, उन्हें चिन्हित कर उनके लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसे शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रशिक्षण मोड्यूल तैयार किए जाएं। स्थानीय भाषा में शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए कोर ग्रुप का गठन किया जाए। कोर ग्रुप में प्रत्येक जिले एवं विकासखण्ड से पांच-पांच विभागीय अधिकारियों का चयन किया जाए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

इस सिंड्रोम की वजह से अपने ही भाई-बहनों से चिढ़ने लगता है बच्चा

कई सालों से ये बात चली आ रही है कि पहले और सबसे छोटे बच्चे को घर में लाड-प्यार ज्यादा मिलता है। इस बीच जो दूसरे नंबर का बच्चा होता है उसे मां-बाप के साथ-साथ परिवार के अन्य सदस्यों का प्यार कम मिलता है। जरूरी नहीं है कि हर घर में सेकंड चाइल्ड के साथ ऐसा ही होता है लेकिन घर में इस तरह की स्थिति पैदा होने से बचना भी जरूरी है। जब पहले और सबसे छोटे बच्चे को प्यार मिलता देख दूसरे नंबर के बच्चे को दुख या हताशा महसूस होने लगे तो इसे सेकंड या मिडल चाइल्ड सिंड्रोम कहते हैं। आइए जानते हैं कि इस सिंड्रोम के लक्षण और इसमें फंसे बच्चों को बाहर निकालने के तरीकों के बारे में।

सेकंड चाइल्ड सिंड्रोम के लक्षण

इस सिंड्रोम से ग्रस्त बच्चे में कुछ इस प्रकार के संकेत या लक्षण देखने को मिल सकते हैं:-

आत्म-सम्मान में कमी और जलन:- बड़े भाई-बहन से तुलना होने पर बच्चों का आत्मविश्वास कम होने लगता है। तुलना के कारण उसमें जलन की भावना भी पैदा हो सकती है।

दिशाहीन:- अगर पहले या सबसे छोटे बच्चे पर ही सारा ध्यान दिया जाए तो इसकी वजह से मिडल चाइल्ड का जीवन दिशाहीन बन सकता है। बच्चे को लगने लगता है कि उसके मां-बाप उसे कम प्यार करते हैं और इससे उसकी फोकस करने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है जिससे उसके सोशल स्किल पर असर पड़ता है और उसका जीवन दिशाीन बन सकता है।

उनसे कोई उम्मीद नहीं है:- यदि बच्चे की तारीफ न की जाए या माता-पिता उसके साथ समय न बिताएं तो बच्चे को लगने लगता है कि परिवार को उससे कोई उम्मीद नहीं है। उसे दूसरों से कोई जिम्मेदारी मिलने की कोई उम्मीद नहीं रहती।

कैसे होते हैं बच्चे

यदि आपके बच्चे में नीचे बताई गई बातें दिख रही हैं तो हो सकता है कि वो सेकंड चाइल्ड सिंड्रोम से ग्रस्त हो:-

- अगर गले लगाने पर बच्चा सकारात्मक रिस्पॉन्स न दे।
- आपका ध्यान खींचने के लिए गुस्सा करना या नखरे दिखना।
- विशेषज्ञों का कहना है कि सेकंड चाइल्ड अपने अंदर बहुत गुस्सा और नेगेटिविटी दबाकर रखता है।
- जब मां-बाप ही बच्चे की उपलब्धियों पर ध्यान देना बंद कर दें तो इससे बच्चा भी महत्वाकांक्षी नहीं बनता है।
- ऐसे बच्चे अकेले रहना पसंद करने लगते हैं।

सेकंड चाइल्ड सिंड्रोम से बचने के तरीके

परिवार और दोस्तों के साथ से काफी हद तक सेकंड चाइल्ड सिंड्रोम से बचने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा निम्न उपाय अपनाएं:-

- अपने बच्चों की तुलना एक-दूसरे से न करें। बच्चों का मन बहुत नाजुक होता है इसलिए तुलना करने की बजाय उन्हें ठीक तरह से काम करना सिखाएं।
- अपने बात को सिर्फ सुनाएं ही नहीं बल्कि उसकी बात भी सुनें। उनकी बातों को सुनकर मार्गदर्शन भी दें। परिवार में किसी भी मुद्दे पर चर्चा चल रही हो तो उसमें अपने मिडल चाइल्ड को भी शामिल करें।
- अगर आपका बच्चा दुर्भाग्यवश सेकंड चाइल्ड सिंड्रोम का शिकार हो गया है तो उसे अपने भाई-बहनों से जलन और नफरत करने की बजाय प्यार करना सिखाएं।
- अगर बच्चे को लगता है कि आप उससे कम प्यार करते हैं या कम समय देते हैं तो उसे समझाएं कि ऐसा क्यों है। बच्चे से बात करें और उसके मन में बसे डर को निकालने की कोशिश करें।

बच्चों की देखभाल में बहुत एहतियात बरतनी चाहिए और अगर आपका बच्चा सेकंड चाइल्ड सिंड्रोम से ग्रस्त हो चुका है तो आपकी जिम्मेदारी काफी बढ़ जाती है।

बहुत तेज होता है अपेंडिक्स का दर्द इन घरेलू तरीकों से पाएं निजात

जब अपेंडिक्स में सूजन आ जाए तो अपेंडिसाइटिस की समस्या पैदा हो जाती है। अपेंडिसाइटिस एक दीर्घकालिक स्थिति है जिसका अगर इलाज न किया जाए तो बहुत तेज दर्द हो सकता है। वैसे तो अपेंडिक्स का दर्द बहुत तेज होता है और इसे तुरंत इलाज की जरूरत होती है लेकिन फिर भी आप कुछ घरेलू तरीकों की मदद से गंभीर स्थिति पैदा होने से पहले ही अपेंडिक्स में सूजन को कम कर सकते हैं।

अपेंडिक्स की घरेलू दवा है अरंडी का तेल

अरंडी के तेल में रिसिनोलिक एसिड होता है जिसमें दर्द निवारक और सूजन-रोधी गुण होते हैं। एक मुलायम कपड़ा लें और उसे दो चम्मच अरंडी के तेल में डुबोकर कुछ मिनटों के लिए प्रभावित हिस्से पर लगाएं। दिन में दो बार ऐसा करें।

अपेंडिक्स का घरेलू नुस्खा है एप्पल साइडर विनेगर

इसमें सूजन-रोधी गुण होते हैं। एक गिलास गर्म पानी में एप्पल साइडर विनेगर डालकर घूंट-घूंट कर के पिएं। दर्द से छुटकारा पाने के लिए रोज इसका सेवन करने से लाभ होगा।

अपेंडिक्स का घरेलू उपचार है छाछ

छाछ पाचन में सुधार कर किसी भी तरह के संक्रमण से लड़ने के लिए प्रोबायेटिक बनाती है। दिन में एक बार एक लीटर छाछ जरूर पिएं। आप छाछ में जीरा, अदरक, पुदीना भी मिलाकर पी सकते हैं।

इसमें एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होते हैं। ये पाचन तंत्र को आराम देता है और अपेंडिसाइटिस के दर्द को कम करता है। एक गिलास पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर तुरंत पी लें। जब भी दर्द हो इसका सेवन करें।

अपेंडिक्स रोग का इलाज है लहसुन

लहसुन में सूजन-रोधी और माइक्रोबियल-रोधी गुण होते हैं। इसके सूजन-रोधी गुण दर्द को कम कर सकते हैं जबकि माइक्रोबियल-रोधी तत्व हानिकारक बैक्टीरिया, फंगस, वायरस और परजीवियों को खत्म कर सकते हैं। लहसुन की एक-दो कलियां लें और उन्हें कूटकर पानी के साथ निगल लें।

अपेंडिक्स का रामबाण इलाज है ग्रीन टी

ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होते हैं। इससे काफी हद तक दर्द से राहत मिल सकती है। एक कप गर्म पानी में ग्रीन टी का एग बैग डालें और कुछ मिनट बाद स्वदानुसार शहद डालकर मिक्स कर लें। गर्म ही इस चाय का सेवन करें। दिन में दो बार इसका सेवन करें।

दिमाग के लिए टॉनिक का काम करती है शंखपुष्पी, जानिए और भी फायदे

आयुर्वेदिक दवाओं में व्यापक रूप से शंखपुष्पी का उपयोग किया जाता है। इस जड़ी-बूटी को दिमाग तेज करने का टॉनिक भी कहा जाता है। ये मानसिक स्वास्थ्य के लिए अमृत का काम करती है। शंखपुष्पी को वैष्णव, विष्णुकांता और विष्णुगंधी जैसे कई नामों से जाना जाता है।

इस जड़ी-बूटी का स्वाद कड़वा होता है और ये स्निग्ध (तैलीय) और पिछिल (पतला) गुण रखती है। शंखपुष्पी की तासीर ठंडी होती है एवं इससे त्रिदोष यानी वात, पित्त और कफ को संतुलित किया जा सकता है। वात और पित्त दोष पर ये ज्यादा काम करती है।

आइए जानते हैं शंखपुष्पी से स्वास्थ्य को क्या लाभ मिलते हैं?

मस्तिष्क के लिए टॉनिक

इस जड़ी-बूटी को दिमाग और याद्दाश्त तेज करने वाला टॉनिक भी कहा जा सकता है। ये बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने का काम करती है। ये जड़ी-बूटी बढ़ती उम्र में याद्दाश्त कमजोर होने से भी रोकती है और इसे चिंता एवं डिप्रेशन को कम करने में भी असरकारी पाया गया है। इससे अल्जाइमर, तनाव, चिंता, डिप्रेशन और मानसिक तनाव जैसी कई समस्याओं का इलाज किया जा सकता है।

हाइपरटेंशन यानी हाई बीपी का इलाज

शंखपुष्पी से ठीक होने वाली बीमारियों में हाइपरटेंशन का नाम भी शामिल है। ये जड़ी-बूटी ब्लड प्रेशर बढ़ाने वाले हार्मोन जैसे कि एड्रेनलाइन और कोर्टिसोल को नियंत्रित कर स्ट्रेस हार्मोन के उत्पादन को कंट्रोल करने में असरकारी पाई गई है।

हाइपरथायराइड

अध्ययनों की मानें तो शंखपुष्पी में थायराइड-रोधी गुण होते हैं। इस बूटी की जड़ को हाइपरथायराइड पर प्रभावशाली पाया गया है। इसके पौधे का रस स्ट्रेस की स्थितियों में थायराइड हार्मोन के उत्पादन को कम कर के थायराइड ग्रंथि को ठीक तरह से काम करने में मदद करता है। ये जड़ी-बूटी लिवर द्वारा उत्पादित कुछ एंजाइम्स पर तेज असर करती है जिससे हायपरथायराइड के लक्षणों में सुधार आने में मदद मिलती है।

पाचन में सुधार

शंखपुष्पी शरीर में पाचन प्रक्रिया को दुरुस्त करने में भी मदद करती है। इसके पौधे के हर हिस्से से निकला रस शरीर में फ्लूइड को जमने से रोकता है और पाचन में मदद करता है। ये पेट से जुड़ी परेशानियों खासतौर पर पेचिस के इलाज में इस्तेमाल की जाती है।

कार्डियक अरेस्ट से बचाव

शंखपुष्पी में मौजूद एथेनोलिक एसिड कार्डियक अरेस्ट आने के प्रमुख कारणों में से एक नॉन-एस्टेरिफाइड फैटी एसिड (एनईएफए) के स्तर को कम करता है। इस पौधे में केंफेरोल नामक फ्लेवेनॉएड पाया जाता है जो कि एनईएफए के असर को कम कर देता है। इस प्रकार शंखपुष्पी दिल को भी स्वस्थ रखती है।

पेट में अल्सर

ग्लाइकोप्रोटीन के स्राव के कारण होने वाले कई तरह के अल्सर पर असरकारी है। इसका रस पेप्टिक अल्सर का इलाज भी करता है।

अनिद्रा

शंखपुष्पी स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल के सतर को कम करने में मदद करती है और बेहतर नींद लाती है। एक गिलास दूध में सोने से पहले जीरा और शंखपुष्पी का एक चम्मच पाउडर मिलाकर पीने से नींद अच्छी आती है और नींद से जुड़े विकार जैसे कि अनिद्रा का इलाज होता है। शंखपुष्पी का सेवन सिरप और पाउडर के रूप में किया जा सकता है। अगर आपके बच्चे की याददाश्त कमजोर है या वो पढ़ाई में कमजोर है तो आप उसे शंखपुष्पी का सिरप जरूर पिलाएं।

40 की उम्र के बाद की शादी: प्रीति जिंटा से लेकर उर्मिला मातोडकर तक, वो एक्ट्रेसेस जो 40 और 60 की उम्र में बनी दुल्हन

सुष्मिता और ललित मोदी के रिलेशनशिप की खबरों के बाद दोनों की शादी की खबरें भी सुर्खियां बटोरने लगी हैं। 47 की उम्र में ललित के साथ रिलेशनशिप को लेकर एक्ट्रेस चर्चाओं में हैं। ललित सुष से 9 साल बड़े हैं। वैसे, पहले भी एक्ट्रेसेस 40 पार होने के बाद भी शादी करने को लेकर चर्चाओं में रह चुकी हैं। तो चलिए आज जानते हैं ऐसी ही एक्ट्रेसेस के बारे में।

प्रीति जिंटा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा काफी लंबे समय से बिजनेसमैन नेस वाडिया को डेट कर रही थीं। जिनसे ब्रेकअप के बाद प्रीति ने 41 साल की उम्र में अमेरिकन सिटीजन जेन गुडइनफ से 29 फरवरी 2016 को शादी कर ली थी।

उर्मिला मातोडकर

'रंगीला', 'जुदाई' जैसी फिल्मों में काम करने वाली उर्मिला मातोंडकर ने 42 साल की उम्र में शादी की थी। उर्मिला बिजनेसमैन और मॉडल मोहसिन अख्तर के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। उर्मिला की शादी भी गुपचुप तरीके से हुई। इनकी शादी के बाद आई तस्वीरों से लोगों को इनकी शादी की न्यूज मिली थी।

फराह खान

डायरेक्टर और कोरियोग्राफर फराह खान की मुलाकात शिरीष कुंदर से 2004 में हुई थी। उस समय दोनों मैं हूं ना की शूटिंग में बिजी थे। जब दोनों की मुलाकात हुई तब शिरीष फराह से उम्र में 8 छोटे थे। ऐसे में दोनों की डेटिंग चर्चाओं में रही। फराह ने 40 की उम्र में शिरीष के साथ शादी की थी। अब दोनों के 3 बच्चे हैं।

मनीषा कोइराला

मनीषा कोइराला ने भी 40 साल की उम्र में शादी की थी। उन्होंने नेपाल के बिजनेसमैन सम्राट दहल से साल 2010 में शादी की। हालांकि दोनों की शादी ज्यादा दिन चल नहीं पाई और दो साल बाद यानी साल 2012 में दोनों ने तलाक ले लिया।

नीना गुप्ता

आयुष्मान खुराना की फिल्म 'बधाई हो में दिखी एक्ट्रेस नीना गुप्ता का जीवन हमेशा से ही चर्चाओं में रहा है। नीना ने 54 साल की उम्र में साल 2008 में विवेक मेहरा से शादी की थी। इससे पहले नीना लंबे समय तक वेस्टइंडीज के क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स के साथ रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चाओं में रहीं थीं।

सुहासिनी मुले

एक्ट्रेस सुहासिनी मुले ने 60 साल की उम्र में शादी की थी। सुहासिनी पहले लंबे समय तक रिलेशनशिप में रही थीं। लेकिन 1990 में उनका रिलेशन टूट गया। फिर काफी लंबे समय तक वो सिंगल ही रहीं। इसके बाद 16 जनवरी 2011 में सुहासिनी ने अतुल गुडु से शादी की। शादी के समय सुहासिनी व अतुल दोनों की उम्र 60 साल से ज्यादा थी।

दूसरे दिन राजकुमार राव की फिल्म ने पकड़ी रफ्तार, शनिवार को इतना रहा कलेक्शन

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव की फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' की कमाई की रफ्तार में तेजी देखने को मिली है। इस शुक्रवार (15 जुलाई) को रिलीज हुई फिल्म ने पहले दिन 1.35 करोड़ रुपए की ओपनिंग की थी, लेकिन अब दर्शकों के पॉजिटिव रिस्पॉन्स के बाद फिल्म के कलेक्शन में उछाल देखने को मिला है। इस फिल्म के बिजनेस में दूसरे दिन लगभग 43 फीसदी का इजाफा देखने को मिला। माना जा रहा है कि रविवार के दिन इसके कलेक्शन की रफ्तार में और अधिक बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

दूसरे दिन की इतनी कमाई

पहले दिन की कम कमाई के बाद यह फिल्म अब वापस ट्रैक पर आती नजर आ रही है। फिल्म ने दूसरे दिन 1.93 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ फिल्म का कुल बिजनेस 3.28 लाख रुपए के आंकड़े तक पहुंच गया है। तीसरे दिन छुट्टी की वजह से फिल्म के बिजनेस में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है।

साउथ फिल्म की है रीमेक

राजकुमार राव-सान्या मल्होत्रा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन शैलेश कोलानू ने किया है। यह पहली बार है जब दोनों की जोड़ी किसी फिल्म में साथ आई है। यह तेलुगू में बनी इसी नाम की फिल्म की रीमेक है। तेलुगू में विश्व सेन और रूहानी शर्मा मुख्य भूमिकाओं में थे। रिलीज के बाद इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। जानकारी के मुताबिक साउथ फिल्म का जल्द ही दूसरा पार्ट भी बनाने की तैयारी है।

राजकुमार राव की हो रही जमकर तारीफ

वहीं इसकी हिंदी रीमेक की बात करें तो फिल्म को टी-सीरीज़ के भूषण कुमार, दिल राजू, कृष्ण कुमार और कुलदीप राठौर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में राजकुमार राव एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है जो पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर से पीड़ित है। अभिनेता को उनके प्रदर्शन के लिए बहुत प्रशंसा मिल रही है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

जनचौपाल के दस्तावेज का क्या निराकरण हुआ जनता को बतायें महापौर

राजनांदगांव। भाजयुमो के जिला स्वाध्याय योजना प्रभारी कमलेश प्रजापति ने कांग्रेस के जनविरोधी कार्यो को जनता के समक्ष प्रस्तुत करते हुए कहा कि सभी वार्डों में महापौर हेमा देशमुख के निर्देश में दिनांक 1जून से 17 जून तक लगे इस चौपाल में बिजली, पानी, पट्टा,नल,राशन कार्ड एवं मुलभूत सुविधाओं से जुडे समस्याओं को तत्काल दुर करने की बात कही गयीं थी इस जनचौपाल में कुल 4870 आवेदन मिले परंतु समस्या के निराकरण लिए प्राप्त आवेदन ,सभी कागजे धुल एवं पानी खाते हुए निगम कार्यलय के एक कोने में पडा हुआ है उन कागजो पर ध्यान केंद्रित करने वाले कोई भी जिम्मेदार अधिकारी सामने नहीं आ रहे हैं इससे यह प्रतित होता हैं कि कांग्रेस सरकार अपने झुठी वादों को ढकने के लिए एक और झूठ बोलकर संस्कारधानी के भोले-भाले जनता को पुर्ण रुप से भ्रमित कर अपने दायित्व से पिछा छुडा रहे हैं जनता ने जो विश्वास जताया था वह पुरा 3 वर्षों में चकनाचूर हो गया।

5 दिन और ले सकेंगे प्रधानमंत्री आवास के आवेदन पत्र

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत स्लम/गैर स्लम में किराये के आवास गृह में निवासरत लोगो की सुविधा को देखते हुए आवेदन पत्र जारी करने की 20 जून से लेकर 15 जुलाई तक तय की गई थी जिसे बढ़ाते हुए 22 जुलाई तक किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास मिशन (शहरी) के स्लम/गैर स्लम में किराये के आवास गृह में निवासरत पात्र हितग्राहियों के लिए मोर मकान-मोर आस योजना अंतर्गत आवेदन पत्र मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय उरला, मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय, बोरसी, मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय आदित्य नगर तथा गौरव पथ स्थित नगर निगम के मुख्य कार्यालय से कार्यालयीन दिवसों में प्रात: 11 से शाम 4 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र का शुल्क 100 रू. निर्धारित किया गया हैं। आवेदन पत्र लेने हेतु आवेदन कर्ता अपना आधारकार्ड एवं मोबाईल नंबर साथ लाये। संपूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र प्राप्त करने की 18 जुलाई 2022 से लेकर 29 जुलाई 2022 तक तय की गई है। उपरोक्त चारो कार्यालयों में आवेदन पत्र जारी एवं संपूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र प्राप्त करने का कार्य, दोनों साथ-साथ किया जावेगा। आबंटित होने वाले पात्र हितग्राहियों से प्राप्त होने वाले प्रथम हितग्राही अंशदान के किश्त राशि से किया जायेगा।

बाढ़ पीड़ितों को हर संभव मदद की जाएगीः मंत्री कवासी लखमा

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर । उद्योग मंत्री तथा बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री कवासी लखमा ने बीजापुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र तारलागुड़ा के एक दिवसीय प्रवास के दौरान बाढ़ पीड़ितों से रुबरु हुए। मंत्री श्री लखमा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगातार मुझसे फोन के माध्यम से संपर्क कर बाढ़ की स्थिति की जानकारी लेते रहे और पीड़ित परिवारों का ध्यान रखते हुए मुझे तारलागुड़ा भेजा ताकि मैं वास्तविक स्थिति से उन्हें अवगत करा सकूं।

उन्होंने कहा कि तारलागुड़ा की स्थिति से विधायक और कलेक्टर से लगातार संपर्क में था और राहत और बचाव के लिए आवश्यक दिशानिर्देश भी दिया। इस अवसर मंत्री श्री लखमा ने लोगों को सुरक्षित स्थान पर रहने एवं बाढ़ के पानी कम होने पर क्षतिग्रस्त संपत्ति, घर, मकान, पशुधन, फसल की मूल्यांकन करने के निर्देश दिए। वहीं राशन खाद्यान्न, मच्छरदानी वितरण करने व स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार के निर्देश भी दिए।

मंत्री श्री लखमा को ग्रामीणों ने अवगत कराया कि नदी किनारे होने के कारण यहां बाढ़ की समस्या बनी रहती है। उन्होंने तारलागुड़ा, अटूकपल्ली,रामपेंटा,कांडला सहित प्रभावित क्षेत्रों के लिए पुनर्वास हेतु सर्वे करने के निर्देश अधिकारियों को दिए साथ ही ग्रामीणों को उनकी समस्याओं से अवगत होकर निराकरण के लिए आश्वस्त भी किया। मंत्री श्री लखमा ने तारलागुड़ा के पोटाकेबिन में बच्चों से बाढ़ की स्थिति, भोजन एवं पढ़ाई के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें अच्छे से पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने आए मंत्री श्री लखमा का बीजापुर विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम शाह मंडावी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शंकर कुड़ियम, उपाध्यक्ष कमलेश कारम, कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा, पुलिस अधीक्षक आंजनेय वाष्णैव, सीईओ जिला पंचायत रवि कुमार साहू सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अमला मीडिया प्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन.उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की योजनाएं पूरे देश के लिए बन रही हैं मॉडलः भूपेश बघेल

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ मॉडल की गूंज आज पूरे देश में है। छत्तीसगढ़ की योजनाएं पूरे देश के लिए मॉडल बन रही हैं। झारखंड सरकार ने छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना को ज्यों का त्यों अपना लिया है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकार भी छत्तीसगढ़ की तर्ज पर गोबर खरीदी पर विचार कर रही है। आज छत्तीसगढ़ के किसानों को देश में सबसे ज्यादा धान की कीमत मिल रही है। छत्तीसगढ़ का अन्नदाता किसान खुशहाल है। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में टीवी-9 डिजिटल छत्तीसगढ़ चैनल का शुभारंभ करते हुए इस आशय के विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में गौ-माता की सेवा के साथ-साथ गौ-पालन और पशुपालन को अर्थव्यवस्था से जोड़ा गया है। किसान हितैषी नीतियों से छत्तीसगढ़ में खेती-किसानी लाभ का व्यवसाय है। छत्तीसगढ़ में गोधन न्याय योजना के प्रारंभ होने के बाद पशुपालन को बढ़ावा मिला है। डेयरी की संख्या में इजाफा हुआ है। गोधन न्याय योजना के तहत पिछले 2 वर्षों में 150 करोड़ रुपए का गोबर पशुपालकों, ग्रामीणों, किसानो से खरीदा गया है। खरीदे गए गोबर से गौठान में स्व सहायता समूह की महिलाएं वर्मी कंपोस्ट बना रही हैं। 40 प्रतिशत भूमिहीन लोग गोबर बेच रहे हैं और आर्थिक लाभ कमा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ सरकार के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद हमने सबसे पहले किसानों की कर्ज माफी, 2500 रूपए प्रति क्विंटल पर धान खरीदी और आदिवासियों की जमीन वापसी का निर्णय लिया। कोरोना संकट के दौरान अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ आए लोगों के ठहरने, भोजन की व्यवस्था की गई। वन क्षेत्रों में लघु वनोपजों का संग्रहण का काम किया गया। समाज के सभी वर्गों से बातचीत कर उनकी दिक्कतों को दूर करने के उपाय किए गए। स्वास्थ्य सेवाओं के ढांचे को मजबूत करने के साथ लोगों के इलाज, ऑक्सीजन की व्यवस्था की गई। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को इनपुट सब्सिडी का भुगतान किया गया। कोविड गाइडलाईन का पालन करते हुए मनरेगा के काम प्रारंभ किए गए। लॉकडाउन खुलने के बाद सबसे पहले छत्तीसगढ़ में उद्योग प्रारंभ हुए। राज्य सरकार की योजनाओं से अधिकांश लोगों की जेब में पैसा पहुंचा। लोगों के पास पैसा गया तो व्यापार भी चलने लगा, व्यापार चलने लगा तो उद्योग भी चलने लगे जिससे छत्तीसगढ़ में मंदी का असर नहीं रहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्य में हम किसी भी सरकार से पीछे नहीं रहे। सड़कों के मामले में हमने 16 हजार करोड़ रूपए की लागत की सड़कों का निर्माण कराया। मिलेट मिशन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अकेला राज्य है जहां 3100 रुपये क्विंटल में कोदो-कुटकी और रागी 3300 रुपये क्विंटल में खरीदी हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश यह है कि जहां जिस फसल के लिए मौसम अनुकूल है वहां उस फसल को बढ़ावा दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महात्मा गांधी जी के रास्ते पर चल रही है। गांधी जी का रास्ता ग्राम स्वराज का रास्ता है। छत्तीसगढ़ के गौठान में रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क के अंतर्गत तेल मिल, दाल मिल, मिनी राइस मिल स्थापित की गई हैं। जिससे हमारी स्व-सहायता की बहनें आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राम गरीब के राम, शबरी के राम, गांधी के राम हैं। दुनिया में माता कौशल्या का एकमात्र मंदिर छत्तीसगढ़ के चंदखुरी में है, जिसका राम वनगमन परिपथ के अंतर्गत सबसे पहले सौंदर्यीकरण किया गया है। छत्तीसगढ़ पहला राज्य जो चिटफंड कंपनियों में निवेश करने वाले आम लोगों का पैसा लौटा रहा है। अब तक 40 करोड़ रुपए की राशि हमने निवेशकों को लौटाई है। राज्य सरकार ने किसानों, आदिवासियों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं सहित सभी वर्गों के हित में काम किया है।

जल जीवन मिशन : कार्य प्रारंभ न करने वाले ठेकेदारों का कार्यादेश होगा निरस्त

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण अंचलों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने जल जीवन मिशन के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। जिसके परिपालन में बलरामपुर कलेक्टर विजय दयाराम के. ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने जल जीवन मिशन अंतर्गत विभिन्न योजनाओं, कार्यों, आईएसए, जल परीक्षण प्रयोगशाला के एनएबीएल उन्नयन कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जल जीवन मिशन के निर्माण कार्यों की धीमी गति पर अप्रसन्नता जाहिर करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित ठेकेदारों को अनुबंध के अनुसार समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए आदेशित करें।

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने लोक स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिले में नलकूपों में जल आवक क्षमता का परीक्षण किये जाने हेतु उपकरण तत्काल क्रय करने के निर्देश दिये। उन्होंने कार्य प्रारंभ न करने वाले ठेकेदारों का कार्यादेश निरस्त करने के निर्देश कार्यपालन अभियंता को दिये।

कलेक्टर ने डीपीआर तैयार करने वाले फर्मों को नवीन एसओआर पर डीपीआर तैयार कर एक सप्ताह में जमा करने को कहा तथा कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को दैनिक प्रगति से अवगत कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कार्यपालन अभियंता को प्रत्येक विकासखण्ड अंतर्गत पांच ग्रामों को 'हर घर जल' मात्रक के अनुसार चिन्हित कर आगामी समय-सीमा की बैठक में अवगत कराने को कहा, साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन अंतर्गत बिछाई जा रही पाईप लाईन से ग्राम के सभी संस्थान स्कूल, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य केन्द्रों में नल कनेक्शन दिया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ने जानकारी दी कि जिले के 604 बसाहटों के 1 लाख 77 हजार 938 घरेलू नल कनेक्शन की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त की जा चुकी है, शेष 32 ग्रामों की योजनाओं हेतु डीपीआर को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया है।

शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार के लिए संभागायुक्त ने ली संभाग के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों की बैठक

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। संभागायुक्त महादेव कावरे ने संभाग के संयुक्त संचालक, शिक्षा एवं समस्त जिला शिक्षा अधिकारियो से संभाग में शिक्षा गुणवत्ता के सुधार हेतु दिशा निर्देश दिए। कावरे द्वारा सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से पूर्व में स्थापित स्वामी आत्मानंद विद्यालय में स्थापित अधोरसंरचना, शिक्षको की भर्ती एवं विद्यार्थियों के प्रवेश के संबंध में जानकारी ली। जिस पर बैठक में संयुक्त संचालक पीके पांडेय द्वारा अवगत कराया गया कि संभाग में प्रथम चरण में कुल 38 स्वीकृत विद्यालयों में अधोसंरचना का कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं वर्तमान में नवीन स्वीकृत 18

विद्यालयों की स्थापना कार्य प्रगति पर है। जिस पर कावरे ने निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों में पर्याप्त अधोसंरचना लैब, पुस्तकालय एवं स्पोर्टस सामग्री की व्यवस्था हो साथ ही शिक्षको की भर्ती की भी कार्यवाही पूर्ण कर ली जाए। संभागायुक्त ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वामी आत्मानंद विद्यालय के साथ-साथ अन्य शासकीय विद्यालयों में भी विशेष पहल कर शिक्षा प्रदाय करने के निर्देश दिए। कावरे शिक्षा के अधिकार के तहत प्रवेश की स्थिति पर चर्चा की गई एवं इसके पर्याप्त प्रचार-प्रसार हेतु समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया, साथ ही चयनित विद्यार्थियों के दाखिले में किसी भी प्रकार की समस्या न हो इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त कावरे ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यार्थियो के अध्यापन हेतु जर्जर भवन का उपयोग किसी भी परिस्थिति में न किया जाये एवं ऐसे भवनो को नियमानुसार संबंधित विभाग के सहयोग से गिराने की कार्यवाही की जावे।

मध्यान्ह भोजन की स्थिति की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने निर्देशित किया कि मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच समय-समय पर जिला अधिकारियों द्वारा स्वयं की जावे एवं इस हेतु नियुक्त रसोइया का मानदेय किसी भी स्थिति में समय पर कर दिया जाये।

प्रदेश में एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना

रायपुर। प्रदेश में आज एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ भारी वर्षा होने की भी सम्भावना है वहीं अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छीटें पडने की संभावना है। वर्षा का क्षेत्र मुख्यत: मध्य और दक्षिण छग रहने की सम्भावना है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और इससे लगे तटीय पश्चिम बंगाल -तटीय उड़ीसा के पास स्थित है, इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। मानसून द्रोणिका गुजरात के सौराष्ट्र-कच्छ, भावनगर, इन्दौर, जबलपुर, पेंड्रा रोड, झालसुगुडा, बंगाल की खाड़ी में स्थित निम्न दाब के केंद्र से होते हुए दक्षिण-पूर्व की ओर पूर्व- मध्य बंगाल की खाड़ी तक 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

जिसके चलते प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। रायपुर में आज बादल छाए रहेंगें तथा गरज चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

खास-खबर

रविभवन में व्यापारी पर बदमाश ने किया हमला, शराब पीने के लिए मांगे थे पैसे

रायपुर (ए)। राजधानी के रविभवन में शनिवार को एक निगरानी बदमाश ने व्यापारी पर हमला कर दिया। बदमाश फारूखखान ने दुकान संचालक अब्दुल हकीम खान से मारपीट की। गोलबाजार थाना पुलिस ने आरोपित फारूख खान के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस थाने में अब्दुल हकीम ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि आरोपित शाम करीब चार बजे दुकान पहुंचा। बदमाश ने पीड़ित व्यापारी को बाहर आने को कहा। पूर्व परिचित होने की वजह से पीड़ित उसके साथ चला गया। आरोपित पान दुकान के पास गया। पीछे से व्यापारी भी पहुंचा तो आरोपित ने शराब पीने के लिए पैसा मांगा। व्यापारी ने पैसा देने से मना किया तो आरोपित ने गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित व्यापारी जाने लगा तो आरोपित ने हाथापाई की। गोलबाजार पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध धारा 294, 323, 327 और 506 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित के विरुद्ध पहले भी कई अपराध दर्ज हैं। वह शराब का आदी है। शराब के लिए पैसे न मिलने पर ही उसने आज की ये घटना की है। पुलिस ने कहा कि आरोपित को ढूंढा जा रहा है।

जमीन का सौदा कर दूसरे के पास रखी गिरवी, मामला दर्ज

रायपुर (ए)। टिकरापारा पुलिस ने जमीन का सौदा दूसरे से करने के बाद उसी जमीन को गिरवी रखने के मामले में एक परिवार के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार निशांत कुमार गुप्ता ने आस्था गुप्ता, विनोद गुप्ता और रोहित गुप्ता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। प्रार्थी ठेकेदार है। उसने पुलिस को बताया कि पिछले वर्ष जुलाई में कमल विहार स्थित सेक्टर-छह में भूमि खरीदने के लिए स्वामी अरुण कुमार गुप्ता से संपर्क किया था। आरोपित उसके संबंधी हैं। जमीन को खरीदने के लिए 45 लाख रुपये में सौदा कर रकम का भुगतान कर दिया। रजिस्ट्री कराने के पहले कोरोना के समय अरुण कुमार गुप्ता की मृत्यु हो गई। इसके बाद आरोपितों ने फर्जीवाड़ा कर दूसरे के पास जमीन गिरवी रख दी।

चाकू लेकर घूम रहे चार गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान छेड़ रखा है। इसके तहत अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चाकू के साथ चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत अपराध कायम कर अग्रिम कार्रवाई की गई है। कोतवाली के नेहरु नगर स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के पास हाथ में बटनदार धारदार चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित करते आरोपित बादल हरपाल उर्फ अंकित हरपाल को गिरफ्तार किया गया। गंज थाना क्षेत्र के चूना भट्ठी स्थित अंडरब्रिज के नीचे अर्जुन सोनी हाथ में बटनदार धारदार चाकू घूमा रहा था। उसे पुलिस ने पकड़ा। आरोपित अर्जुन सोनी पूर्व में भी थाना डीडी नगर से हत्या के प्रयास के मामले में जेल जा चुका है। गंज थाना की टीम ने फाफाडीह स्थित एक्सप्रेस-वे के नीचे से आरोपित पवन सिंह तोमर को गिरफ्तार किया। वहीं तेलीबांधा थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जलविहार कालोनी से जगदीश नायक उर्फ जग्गू को गिरफ्तार किया। उसके पास से चाकू जब्त किया गया है। चाकूबाजी करने वाले इन बदमाशों को सीधे जेल भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि ऐसा अभियान अब सतत रूप से चलता रहेगा। विशेष रूप से रात में घूमने वालों के विरुद्ध अब सीधे जांच की कार्रवाई की जाएगी। लगातार हो रही चाकूबाजी और लूट की घटना के बाद पुलिस के इस अभियान से बदमाशों विशेष रूप से नाबालिग बदमाश कितने सुधरते हैं, ये देखना भी रोचक होगा।

युवक पर हमला, नकदी और मोबाइल छीनकर आरोपी फरार

रायपुर (ए)। सिविल लाइन इलाके में रेलवे स्टेशन से घर लौट रहे युवक पर कुछ बदमाशों ने हमला कर उसके पास से नकदी और मोबाइल छीनकर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि लोधीपारा पंडरी में रहने वाले युवक लीलाधर साहू पर बदमाशों ने हमला किया। 14 जुलाई कीरात ढ़ाई बजे उस पर बत्ता और लकड़ी से हमला कर लूटपाट की गई। पुलिस ने आरोपितों की पहचान कर ली है। उनकी पतासाजी में जुटी है।

दुर्ग में हादसा, 2 दोस्तों की मौत

तेज रफ्तार बाइक ट्रक में घुसी, दोनों युवकों का सिर फटा, ड्राइवर गिरफ्तार

दुर्ग। पाटन थाना के अरसनारा चौक के पास सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। हादसा बाइक के ट्रक से टकराने के चलते हुआ। बाइक चालक इतनी तेज रफ्तार में था कि आगे जा रहे ट्रक को देखकर भी स्पीड नियंत्रित नहीं कर सका और पीछे से उसमें घुस गया। टक्कर इतनी तेज थी बाइक सवार दोनों युवकों का सिर फट गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पाटन पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पाटन थाना प्रभारी शिवानंद तिवारी ने बताया कि देवादा निवासी पृथ्वीराज चंदेल (27) शनिवार शाम अपने पड़ोस में रहने वाले दोस्त अजय वर्मा (20) के साथ पाटन गया था। पाटन से दोनों लोग रात 9.30 बजे अपनी बाइक से घर देवादा लौट रहे थे। जैसे ही वो लोग अरसनारा पेट्रोल पंप के पास पहुंचे अपने सामने देवादा की तरफ जा रहे ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना स्थल पर मची चीख-पुकार

बाइक चालक पृथ्वीराज और अजय दोनों का सिर फट गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस का आशंका है कि बाइक की रफ्तार काफी तेज रही होगी। रात में आगे जाते ट्रक को नहीं देख पाए होंगे। नजदीक जाने पर नियंत्रित करते इससे पहले की बाइक ट्रक के अंदर घुस गई। हादसे में दोनों युवकों के सिर फट गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। देवादा और पाटन की दूरी अधिक नहीं है।

ट्रक जब्त कर ड्राइवर को किया गिरफ्तार

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया था। इससे पहले की लोग आंदोलित होते पुलिस ने तुरंत ट्रक को जब्त थाने पहुंचाया और ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ एमवी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

दुर्घटना हुई कुछ ही देर में मृतकों के परिजन वहां पहुंच गए। दुर्घटना स्थल पर अपनों की लाश पड़ी देख वहां चीख-पुकार शुरू हो गई। बड़ी मुश्किल से पाटन पुलिस ने लोगों को समझाया और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मॉर्चुरी में रखवा दिया गया है। वहां रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराने क बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।

दो माह में 377 का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त

मॉडिफाइड, तेज रफ्तार व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वालों पर हुई कार्रवाई

भिलाई। ट्रैफिक पुलिस दुर्ग ने यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने दो महीने के अंदर मॉडिफाइड बाइक, तेज रफ्तार व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वाले 377 का ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। ट्रैफिक एएसपी विश्वास चंद्राकर का कहना है कि आने वाले दिनों में यह अभियान और सख्त और तेज किया जाएगा।

ट्रैफिक डीएसपी गुरजीत सिंह ने बताया कि लगातार तेज आवाज बुलेट, मॉडिफाइड वाहनों के तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने की शिकायत मिल रही थी। एसपी दुर्ग ने ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक सिविल टीम गठित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। गठित सिविल टीम ने लगातार दुर्ग-भिलाई के ऐसे चिन्हांकित क्षेत्र में नजर रखी। इस दौरान मॉडिफाइड बाइक, तेज रफ्तार व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वालों पर ताबडतोड़ कार्रवाई की गई। कार्रवाई के साथ साथ पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों के लाइसेंस को जब्त कर उनको रद्द करने के लिए परिवहन विभाग को पत्र भेजा है। पुलिस ने दो माह के अंदर 377 वाहन चालकों का लाइसेंस रद्द करवाया है।

ट्रैफिक पुलिस ने जारी किया वाट्सअप नंबर

ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों पर कार्रवाई के लिए एक वाट्सअप नंबर 9479192029 जारी किया है। ट्रैफिक पुलिस ने सभी पालकों से निवेदन किया है कि वे अपने बच्चों को मोडीफाइड और तेज रफ्तार वाली बाइक ना दें। ऐसा करते पाए जाने पर यातायात पुलिस जब्ती कार्रवाई करेगी और उनके खिलाफ नए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई करेगी।

फेसबुक पर व्यापारी से दोस्ती कर इलाज के नाम पर ठगे 2 लाख रुपए, कोर्ट ने भेजा जेल

भिलाई। भट्ठी पुलिस ने दुर्ग सेंट्रल जेल में निरुद्ध यूपी के मेरठ की युवती मानसी यादव उर्फ मनु को शनिवार को गिरफ्तार किया है। इसके बाद उसे दोबारा कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। ब्लैकमेलर मानसी सितंबर महीने से दुर्ग जेल में बंद थी। महिला ने फेसबुक के जरिए भिलाई निवासी अमित सोनी से दोस्ती की। इसके बाद अपने बेटे और खुद का इलाज कराने का झांसा देकर उससे 2 लाख रुपए ठग लिए थे। पैसा वापस मांगने पर महिला उसे धमकाने लगी थी। इसके बाद अमित ने सितंबर महीने में ही भट्ठी थाने में केस दर्ज किया था। पुलिस ने महिला के खिलाफ धारा 420 के तहत केस दर्ज किया।

बीजेपी नेता से ठग लिए थे 2 करोड़

महिला ने अपने पति ललित और देवर कौशल सिंह के साथ मिलकर राजनांदगांव के बीजेपी नेता व कांट्रेक्टर संदीप जैन को ब्लैकमेल किया था। ब्लैकमेलिंग के जरिए बीजेपी नेता से 2 करोड़ रुपए ठग लिए थे। कर्ज से परेशान होकर अगस्त महीने में बीजेपी नेता ने फांसी लगा ली थी। घर से मिले सुसाइड नोट और बैंक ट्रांजेक्शन के लिए पुलिस मानसी और उसके पति को गिरफ्तार किया था।

अस्पताल की किश्त झांसा देकर ठगे पैसे

पीड़ित अमित के मुताबिक आरोपी महिला ने मोबाइल नंबर लेकर मैसेंजर पर चैटिंग और बातचीत करने लगी थी। एक बार उसने वीडियो कॉल के जरिए भी बात की थी। महिला ने बताया था कि मेरठ में अस्पताल है। लॉकडाउन में अस्पताल में मरीज नहीं आने से किश्त जमा नहीं हो पा रही है। महिला ने अपने बेटे और खुद का इलाज और ऑपरेशन कराने का झांसा देकर अमित से पैसे ले लिए।

अनियंत्रित बाइक पुल से नीचे गिरी, एक की मौत

कांकेर से राजनांदगांव जा रहे थे तीन लोग, 2 घायल

राजनांदगांव (ए)। राजनांदगांव में एक बाइक अनियंत्रित होकर पुल से नीच गिर गई। इससे उसमें बैठे एक युवक की मौत हो गई है। जबकि 2 लोग घायल हुए हैं। सभी कांकेर से राजनांदगांव जा रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हो गया। हादसा सीतागांव थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, राजनांदगांव के औंधी निवासी जयपाल खलखो और चिगरू राम कांकेर के पखांजुर गए थे। वहां से वे अपने साथी राजपाल लकड़ा को लेकर वापस औंधी आ रहे थे। तीनों दोपहर के वक्त वापस लौट रहे थे। ये अभी मानपुर-औंधी मुख्य मार्ग में सेन्डावाही के पास पहुंचे थे। उसी वक्त ये हादसा हो गया है। बताया गया कि तीनों जैसे ही सेन्डावाही के पास पहुंचे, बाइक अनियंत्रित हुई और सीधे पुल से नीचे गिर गई। हादसे में मौके पर ही जयपाल खलखो की मौत हो गई। बाकी के दोनों युवक भी घायल हो गए थे। पुल के नीचे काफी पानी भरा हुआ था। इसलिए जब बाइक नीचे गिरी तो बाइक चला रहा युवक पानी के अंदर चला गया। जबकि उसके साथ पानी के किनारे गिरे थे।

घटना के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया। वहीं जिस युवक की मौत हुई। उसे भी अस्पताल ले जाया गया था। मगर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कहा जा रहा है कि बाइक तेज रफ्तार में थी। जिसके चलते ये हादसा हुआ है।

छत्तीसगढ़ में ससुरालवालों ने की दामाद की हत्याः जमीन विवाद में किया हमला, पत्नी ने भी दिया साथ, सास-ससुर समेत 4 गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में शनिवार को जमीन व रुपयों के विवाद के चलते ससुरालवालों ने मिलकर अपने ही दामाद की हत्या कर दी। दरअसल, युवक अपने गांव की संपत्ति बेचकर ससुराल में रहता था। उसने ससुर से जमीन भी खरीदी थी। लेकिन, ससुरालवाले उसकी रजिस्ट्री नहीं करा रहे थे। इसके चलते उनके बीच झगड़ा शुरू हो गया था। इसी विवाद को लेकर सास, ससुर, साले व पत्नी ने मिलकर पहले डंडे से उस पर ताबड़तोड़ हमला किया। फिर चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। इधर, युवक के परिजनों को हत्या की खबर मिली, तब वे अस्पताल पहुंचे और मेन रोड में शव रखकर चक्काजाम कर दिया। उनकी मांग थी कि युवक के ससुरालवालों की जमीन उसके बच्चों के नाम पर की जाए। घटना मस्तूरी थाने की है।

मस्तूरी थाना क्षेत्र के ग्राम वेद परसदा निवासी श्याम लाल साहू की पुत्री राजेश्वरी बाई साहू की शादी 12 साल पहले जयरामनगर खैरा निवासी संतोष साहू (36 साल) से हुई थी। शादी के बाद संतोष साहू ने अपने गांव की पैतृक सम्पति को बेच दिया था और ससुराल वेद परसदा में ही रहने लगा था। उसने अपने ससुर को करीब 8 लाख 43 हजार रुपए दिया था और एक एकड़ खेत को अपने नाम पर रजिस्ट्री कराने के लिए बिक्रीनामा कराया था। रुपए लेने के बाद उसका ससुर जमीन की रजिस्ट्री नहीं करा रहा था, जिसके चलते ससुर और दामाद के बीच झगड़ा शुरू हो गया। जमीन विवाद के चलते ससुर और ससुरालवाले उसे आए दिन मारपीट भी करते थे। आए दिन के विवाद से संतोष परेशान हो गया था। इन दिनों खेती का समय है। लिहाजा, वह ससुर से खरीदे खेत में बुआई करने और विवाद को खत्म करने के लिए शनिवार की सुबह करीब 11 बजे वह अपने ससुरालवालों के घर गया था। इस दौरान सास दसोमती, ससुर श्यामलाल, साला योगेश व उसकी पत्नी राजेश्वरी उससे झगड़ा करने लगे। उनके बीच विवाद इतना बढ़ गया कि उन्होंने डंडा निकालकर संतोष पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया फिर चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी।

बताया जा रहा है कि संतोष शनिवार की सुबह अपने पैतृक गांव खैरा गया था। वहां अपनी मां सहित अन्य रिश्तेदारों से मुलाकात किया। इसके बाद वह सुबह करीब 10 बजे गांव से वेद परसदा जाने के लिए निकल गया। यहां आने के बाद वह अपने जमीन विवाद को खत्म करने के लिए बातचीत करने ससुरालवालों के घर गया था। उसकी हत्या के बाद परिजन कहते रहे कि वह गांव से नहीं आता, तो आज उसकी मौत नहीं होती।

पत्नी ने पुलिस के डायल 112 को किया कॉल

इस हमले में संतोष खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया। उसे अचेत देखकर उसकी पत्नी राजेश्वरी ने पुलिस के डायल 112 में कॉल की। जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। हत्या की खबर ज्ञङ्घ प्रकाश कांत दल बल के साथ गांव पहुंच गए। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने शव को मस्तूरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

जो अपने भक्तों का कल्याण करे वह शिवः राजेंद्र महाराज

भिलाई। अग्रवाल महिला समिति द्वारा बांके बिहारी महिला समिति के सहयोग से न्यू खुर्सीपार भिलाई स्थित अग्रसेन भवन में श्री शिव पुराण कथा महायज्ञ का भक्तिमय आयोजन जारी है। शनिवार 16 जुलाई को कथा प्रवक्ता परम पूज्य संत राजेंद्र महाराज श्री धाम वृंदावन ने सती मोह, शिव से वियोग और दक्ष यज्ञ में सती का भस्म होना प्रसंग सुनाया गया। पवित्र श्रावण मास के उपलक्ष्य में व्यासपीठ पर विराजमान राष्ट्रीय संत राजेंद्र महाराज की अमृतमयी वाणी के द्वारा शिव कथा भक्ति ज्ञान वैराग्य रूपी त्रिवेणी का सुंदर रसपान करने बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे। 24 जुलाई तक रोजाना अपराहन 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक जारी इस कथा सागर में दूसरे दिन राजेंद्र महाराज ने पावन सती चरित्र प्रसंग पर बोलते हुए कहा कि भगवान शिव के द्वारा मना करने के बाद भी सती जी अपने पिता के घर गई। वहां शिव का स्थान ना होने के कारण सती को सहन नहीं हुआ और अपने अंगूठे से अग्नि प्रकट कर स्वयं को भस्म कर लिया। यह खबर भगवान भोलेनाथ को जैसे ही मिली, उन्होंने उसी क्षण अपनी जटाओं को खोल कर पृथ्वी पर जोर से पटका, जिससे वीरभद्र की उत्पत्ति हुई। उन्होंने कहा कि भगवान शिव कल्याण के देवता है जो अपने भक्तों का कल्याण करें उसका नाम शिव है। उन्होंने कहा कि श्रावण मास के पावन पवित्र अवसर पर शिव महापुराण की कथा श्रवण करने का अनंत अनंत गुना फल प्राप्त होता है। इस अवधि में शिवजी पर कोई जल चढ़ाता है तो भगवान भोलेनाथ इस अर्पण से अत्यधिक प्रसन्न होते हैं। जल भगवान के मस्तक में भी है। मां गंगा के रूप में जलधारा शिवप्रिया है, ऐसा भी शास्त्रों में कहा गया है। जिस प्रकार भगवान विष्णु को अलंकार प्रिय,उसी प्रकार भगवान सूर्यनारायण को नमस्कार अत्यधिक प्रिय है। उन्होंने कहा कि जल चढ़ाने से आरोग्यता की प्राप्ति होती है। जब हम पूजा पाठ सत्संग में जाएं तो अपने साथ आने वाले बच्चों को भी साथ में लेकर के जाएं। राजेंद्र महाराज ने कहा कि आज के समय पर पश्चिमी सभ्यता हमारे खान पान में रहन-सहन में अत्यधिक बढ़ रही है इसलिए सत्संग बहुत ही जरूरी है। संतो का संग ही सत्संग है हमें भी कुछ प्राप्त होगा तो सत्संग ही बहाना है। यह प्रभु प्राप्ति का सर्वोत्तम साधन है।

घर-घर पहुंचे विधायक देवेंद्र, लोगों से की भेंट मुलाकात

खुर्सीपार क्षेत्र के नागरिकों का जाना हालचाल, बड़े बुजुर्गों का लिए आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव आज खुर्सीपार पहुंचे। जहां वे एक-एक गली और एक-एक व्यक्ति के घर गए। उनसे भेंट मुलाकात की और सब का हालचाल जाना। अचानक अपने खुद के घर के आंगन में अपने लाडले विधायक देवेंद्र यादव को देख कर लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लोगों में उत्साह और खुशी का माहौल था।

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने आज खुर्सीपार क्षेत्र पहुंचे। इसके बाद पैदल-पैदल पूरे एक-एक गली के एक-एक घर गए। हर घर में जाकर लोगों से भेंट मुलाकात की और उनका हालाचाल जाना। बड़े बुजुर्गों को प्रणाम किया और उनका आशीर्वाद लिया। अपने विधायक को अपने घर के आंगन में देख कर लोगों की बड़ी खुशी देखने को मिली। विधायक देवेंद्र यादव से लोगों ने बातचीत की अपना हालचाल बनाया। इस दौरान लोगों ने कहा कि आप पहले विधायक हैं, जो हम आम नागरिकों की तरह है। हम सभी लोगों की दुख दर्द सझते हैं और हमारा हालचाल जानने के लिए हमसे मिलने आते रहते हैं। जब हम आम नागरिकों को भी आप से मिलना होता है तो आप बड़ी आसानी से हम सब को मिल जाते हैं। इससे पहले कभी कोई ऐसा नहीं हुआ जो बार-बार वार्ड दौरा करें। लोगों के घरों में जाकर उनका हालचाल जाने और लोगों के घर में जाकर पूछे कि आप सब कैसे हैं। कोई समस्या तो नहीं है। होगी तो हम उसे ठीक कर देंगे। इससे पहले जो विधायक व नेता रहे। वे तो चुनाव के टाइम आते थे। हाथ जोड़कर वोट मांग लेते थे। उसके बाद दोबारा शकल दिखाने भी नहीं आते हैं। 5 साल बाद जब फिर चुनाव होता था। तब फिर आते हैं। वैसे नेताओं से मिलना भी बड़ा कठिन होता था। 50 चक्कर बंगले के लगाने के बाद तब कहीं जाकर मुलाकात हो पाती थी। लेकिन भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव रोज सुबह जनता से मिलने तैयार हो जाते हैं। लोगों ने विधायक देवेंद्र यादव से कहा कि आप की विनम्रता, सरलता,सजता है। हम सब का बहुत भाता है, आप विधायक व नेता जैसे नहीं बल्की हमारे परिवार के सदस्य जैसे है, जो हमारे हर दुख सुख में सामाने खड़े रहते हैं।

राष्ट्र निर्माण में सेल का योगदान विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आजादी का अमृत महोत्सव के क्रम में इस्पात मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आइकॉनिक वीक के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा राष्ट्र निर्माण में सेल का योगदान विषय पर संयंत्र स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को विगत दिनों मानव संसाधन विकास केन्द्र के प्रथम तल सभागार में आयोजित समारोह में पुरस्कार वितरित किये गये। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक (मर्चेंट मिल एवं वायर रॉड मिल) श्री अजय बेदी उपस्थित रहे।

आयोजन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक श्री अजय बेदी ने निबंध प्रतियोगिता के विषय को अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए कहा कि सेल ने अपनी स्थापना के आरंभिक दिनों से लेकर आज पर्यंत अनवरत रूप से राष्ट्र निर्माण में अपना श्रेष्ठतम योगदान दिया है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में इस विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक कार्मिक को गर्व की अनुभूति देता है तथा राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत कर राष्ट्र के प्रति अपना श्रेष्ठतम योगदान अर्पित करने को प्रेरित करता है। निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं में शामिल हैं-प्रथम-सुश्री ऋचा अवस्थी, प्रबंधक (अनुसंधान एवं नियंत्रण प्रयोगशाला), द्वितीय-श्री स्वराज झोड़े, प्रबंधक (पावर एण्ड ब्लोइंग स्टेशन), तृतीय-श्री किशोर कुमार नशीने, (सीएमओसीटी) आरएमपी-3 तथा सांत्वना पुरस्कार-श्री नगीना यादव, सीनियर ओसीटी (रेल व स्ट्रक्चरल मिल), सुश्री जया तिवारी, सहायक महाप्रबंधक (परियोजनाएँ) तथा श्री विटेश्वर नाथ, सहायक प्रबंधक (एसपी-3)। पुरस्कार वितरण समारोह में महाप्रबंधक (कार्मिक), श्री सूरज कुमार सोनी, महाप्रबंधक (शिक्षा), सुश्री शिखा दुबे, महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास विभाग) अमूल्य प्रियदर्शी एवं पुरस्कार विजेता प्रतिभागियों सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सड़क घेरकर सामान बेचा तो जुर्माना तय, सामान भी होगा जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहर में बेहतर सफाई व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं में बेहतरी की संभावनाओं को लेकर कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र मीणा नियमित रूप से अलसुबह शहर के वार्डों का निरीक्षण कर रहे हैं। आज उन्होंने महाराजा चौक, बोरसी आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अतिक्रमण हटाने के निर्देशों के साथ ही सड़क पर सामान फैलाकर कारोबार करने वालों पर हर दिन जुर्माना लगाने एवं ऐसा ही जुर्माना गंदगी फैलाने वालों पर लगाने निर्देश दिए। कलेक्टर ने महाराजा चौक के सौंदर्यीकरण का प्लान बनाने कहा। साथ ही चौक के चारों दिशाओं में स्थित दुकानों के सामने लगाये गये होर्डिंग बोर्ड को हटाने, सी एण्ड डी मटेरियल को हटाने, तथा ट्रांसफार्मर के नीचे की गंदगी की साफ-सफाई कराने के निर्देश दिये । कलेक्टर ने आर.के.जीम के सामने बोरसी तालाब का सौदर्यीकरण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि तालाब हमारी धरोहर हैं। इन्हें सहेजना हम सबकी जिम्मेदारी है।बोरसी कॉलोनी क्षेत्र में जे.सी.बी.के माध्यम से साफ-सफाई कराने के निर्देश उन्होंने दिए। सेंट्रल जेल के पास स्थित सुआ चौक का सौंदर्यीकरण कराये जाने के निर्देश उन्होंने दिये। समृद्धि मार्केट में गरीब महिला के पेंशन संबंधित प्रकरण की जाँच कराकर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

अतिवृष्टि, बाढ़ से बचाव हेतु आपदा प्रबंधन के लिए बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ दल एवं कंट्रोल रूम की हुई स्थापना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर ने किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए कंट्रोल रूम की स्थापना करने के निर्देश दिए थे इसी तारतम्य में कंट्रोल रूम की स्थापना अतिवृष्टि, बाढ़ से बचाव हेतु आपदा प्रबंधन के लिए बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ दल एवं कंट्रोल रूम निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर के निर्देश पर तैयार किया गया है। इसके नोडल अधिकारी उपायुक्त रमाकांत साहू होंगे। मुख्य कंट्रोल रूम के प्रभारी उपायुक्त साहू मोबाइल नंबर 9098907321 तथा स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा 8770060276 होंगे। उनके सहयोगी अधिकारी/कर्मचारियों में जयकुमार जैन, पति राम बरेट, संतोष हरमुख एवं चूड़ामणि यादव की ड्यूटी लगाई गई है। कंट्रोल रुम में दूरभाष ऑपरेटर के रूप में दिलीप यादव मोबाइल नंबर 9509283165 सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक, उमेश कोरी एवं दिलीप कुमार हुमने मोबाइल नंबर 8234018349 दोपहर 2:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक, उमाशंकर एवं राजेश जांगड़े रात्रि 10:00 बजे से सुबह 6:00 बजे तक मोबाइल नंबर 9981890447, सरोज कनोजे मोबाइल नंबर 9907120799 एवं महेश कुमार देवांगन मोबाइल नंबर 9109223333 की ड्यूटी लगाई गई है। आपदा शिविर एवं राहत सामग्री के लिए डीके वर्मा कार्यपालन अभियंता मोबाइल नंबर 9826519234 एवं सहयोगी कर्मचारी के रूप में वेशराम सिन्हा, विष्णु चंद्राकर, राजेश पालवे एवं रामप्रवेश की ड्यूटी लगाई गई है। आपदा पेयजल प्रभारी के लिए संजय शर्मा मोबाइल नंबर 9329487890 कार्यपालन अभियंता एवं सहयोगी अधिकारी बृजेश श्रीवास्तव सहायक अभियंता एवं बसंत साहू उप अभियंता की ड्यूटी लगाई गई है।

विद्युत व्यवस्था के लिए टीके रणदिवे कार्यपालन अभियंता मोबाइल नंबर 9893478343 इनके सहयोगी कर्मचारी में अर्पित बंजारे एवं तीरथ यादव की ड्यूटी लगाई गई है। चिकित्सा दल के लिए प्रभारी अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा स्वास्थ्य अधिकारी एवं उनके सहयोगी कर्मचारी के रूप में केके सिंह, आनंद चक्रधर एवं चेलाराम वर्मा की ड्यूटी लगाई गई है।

भिलाई निगम ने प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर 48 दुकानों पर की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लगातार बाजार क्षेत्रों एवं दुकानों में निरीक्षण कर प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर जब्ती के साथ ही जुर्माने की कार्रवाई कर रही है इसी तारतम्य में 48 दुकानों में कार्रवाई करते हुए 19550 रुपए जुर्माना वसूल किया गया।

भिलाई निगम क्षेत्र अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक से बने उत्पादों को पूर्णरूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई करने के लिए टीम का गठन किया है। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी के निर्देश पर प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्यवाही अभियान लगातार जारी है। प्रत्येक जोन में अलग-अलग जगहों पर दुकानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में छापेमार कार्रवाई की जा रही है। जहां भी सिंगल यूज प्लास्टिक व प्रतिबंधित प्लास्टिक का विक्रय करते हुए पाया जा रहा है वहां इसे जब्ती करते हुए जुर्माना भी वसूला जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल ने भी प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील शहरवासियों से की है। शहर को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए यह आवश्यक है कि प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करें। किसी भी प्रकार की सामग्री लेने के लिए कपड़े से बने थैले इत्यादि का उपयोग करें।

प्लास्टिक से पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचता है जिसको देखते हुए इस पर भिलाई निगम क्षेत्र में कड़ाई करना प्रारंभ कर दिया गया है। भिलाई निगम ने 48 स्थानों पर कार्यवाही करते हुए 19550 रुपए जुर्माना वसूल किया गया है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक पर कार्रवाई की बात करें तो जोन क्रमांक एक में 14 दुकानों पर 9200 रुपए जुर्माना, जोन क्रमांक 2 में 10 दुकानों से 6700 रुपए जुर्माना, जोन क्रमांक 3 मदर टेरेसा नगर क्षेत्र में 4 लोगों से 500 रुपए जुर्माना तथा शिवाजी नगर जोन क्रमांक 4 क्षेत्र से 10 लोगों से 2150 रुपए एवं बीएसपी क्षेत्र में 10 लोगों से 1000 रुपए जुर्माना वसूला गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में दुर्ग की बेटी आकर्षी का चयन, निगम महापौर ने किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बैडमिंडन में दुर्ग शहर का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने वाली बैडमिंटन खिलाड़ी आकर्षी कश्यप का कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में चयन होने पर नगर निगम द्वारा शनिवार को उनका सम्मान किया गया। आकर्षी कश्यप स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत नगर निगम की स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर भी है। उन्हें महापौर धीरज बाकलीवाल और राज्य शासन पिछड़ा वर्ग आयोग जे उपाध्यक्ष आरएन वर्मा ने महापौर कक्ष में ब्रांड एम्बेसडर का प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया और बैडमिंटन में उनके अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन को सराहा।

इस अवसर पर महापौर धीरज बाकलीवाल ने आकर्षी कश्यप को बधाई देते हुए कहा कि दुर्ग की बेटी का कॉमनवेल्थ गेम्स में चयन होना न केवल दुर्ग के लिए बल्कि देश व प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। आकर्षी ने इस मुकाम

को पाने के लिए कड़ा संघर्ष किया है। जिसके पीछे उनके माता-पिता का योगदान है। मैं इस खुशी के पल में आकर्षी के साथ-साथ उनके माता-पिता को भी बधाई देता हूं और कामना करता हूं कि आकर्षी बैडमिंटन में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नंबर-1 खिलाड़ी बने।

श्री बाकलीवाल ने कहा कि आकर्षी की उपलब्धि पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा ट्वीटर पर बधाई दी गई है। छत्तीसगढ़ में हमेशा खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा मिला है। कॉमनवेल्थ गेम्स में आकर्षी कश्यप अब बैडमिंटन की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी पीवी सिंधू के साथ खेलते नजर आएगी। यह लम्हा दुर्ग को गौरवान्वित करेगा। अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी आकर्षी कश्यप ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि सफलता का कोई शार्टकट रास्ता नहीं है।कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी होती है। उन्होने बताया कि वह 8 वर्ष से बैडमिंटन खेल रही है। कॉमनवेल्थ गेम्स तक पहुंचने के लिए उन्होने कड़ा संघर्ष किया है। कॉमनवेल्थ गेम्स को लेकर लोगों की मेरे से बड़ी अपेक्षा है। जो मेरे लिए बड़ी चुनौती है। निश्चित ही मैं इस टुर्नामेंट में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जीत का परचम लहराउंगी। आकर्षी ने बताया कि कॉमनवेल्थ गेम्स 28 जुलाई से बर्मिंघम में आयोजित है। जो 8 अगस्त चलेगा। इसके अलावा चाइना में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स में भी चयन होने की आकर्षी ने जानकारी दी। आकर्षी के सम्मान के दौरान एमआईसी अब्दुल गनी, प्रभारी हमीद खोखर, जमुना साहू,जयश्री जोशी,मनदीप सिंह भाटिया,नजहत परवीन, अमित देवांगन,एल्डरमैन रत्ना नारमदेव, कृष्णा देवांगन,देव् सिन्हा,पूर्व पार्षद प्रकाश गीते ,आकर्षी के पिता डॉ संजीव कश्यप मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950